मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 234
बुधवार, 12 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

लोकसभा में पेश हुआ इमिग्रेशन और फॉरनर्स बिल 2025

नई दिल्ली, 11 मार्च। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को आव्रजन और विदेशी विधेयक, 2025 पेश किया। विधेयक में भारत के आव्रजन कानूनों में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव है। नया विधेयक पारित होने के बाद, यह औपनिवेशिक युग के कानूनों की जगह लेगा, जिसमें विदेशी अधिनियम, 1946, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920, विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम, 1939 और आव्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम, 2000 शामिल हैं। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाना, आव्रजन प्रक्रियाओं को नियंत्रित करना और प्रवेश और ठहरने की शर्तों का उल्लंघन करने वाले विदेशियों पर सख्त दंड लागू करना है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने नियमों का हवाला देते हुए विधेयक को पेश किए जाने का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह विधेयक कई मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। तिवारी ने कहा कि इस विधेयक को वापस लिया जाए या फिर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा जाए ताकि इस पर गहन विचार-विमर्श किया जा सके। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने भी नियमों का हवाला देते हुए विधेयक को प्रस्तुत किए जाने का विरोध किया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि विपक्ष की ओर से विधायी क्षमता पर सवाल उठाया गया है, लेकिन यह विधेयक सदन की क्षमता के अंतर्गत लाया गया है। बिल में क्या है? बिल में कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता या राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा पैदा करने वाले किसी भी विदेशी को देश में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी या उसे भारत में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, इसका उद्देश्य आगमन पर विदेशियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य करना, उनकी आवाजाही, नाम परिवर्तन और संरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश को प्रतिबंधित करना है। शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम को विदेशी नागरिकों की सूचना आव्रजन अधिकारियों को देनी होगी। बिल के अनुसार, उल्लंघन करने पर भारी जुमार्ना लगेगा। वैध पासपोर्ट या वीजा के बिना भारत आने पर पांच साल तक की कैद और 5 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने वाले विदेशियों को दो से सात साल की जेल हो सकती है, जिसमें 1 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। इसके अलावा, निर्धारित समय से अधिक समय तक रहना, वीजा शर्तों का उल्लंघन करना या प्रतिबंधित क्षेत्रों में अवैध प्रवेश करने पर तीन साल की कैद और 3 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है।

विधानसभा में बोले उमर अब्दुल्ला, एक ही बजट में पूरे नहीं कर सकते सभी वादे

कश्मीर, 11 मार्च। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि वे अपनी पार्टी द्वारा चुनाव घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने कभी यह वादा नहीं किया था कि वे एक बजट में ही उन्हें पूरा कर देंगे। बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस बजट के माध्यम से यह संदेश देना चाहते हैं कि वे सभी वादे पूरे करेंगे। मुख्यमंत्री उमर ने पूछा, अगर हमने सबसे गरीब लोगों तक पहुंचने की कोशिश की है तो इसमें क्या गलती है?

पीपुल्स कांफ्रेंस के चेयरमैन और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन की चिंताओं का जवाब देते हुए सीएम उमर ने कहा कि बजट का महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दिहाड़ी मजदूरों के मुद्दों पर बात करते हुए उन्होंने पीडीपी-बीजेपी के बजट भाषणों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने के लिए कुछ नहीं किया और उनके शासन में केवल 570 लोगों को नियमित किया गया। उन्होंने दैनिक वेतनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों वाली यह समिति दैनिक वेतनभोगियों की संख्या का पता लगाएगी और यह भी पता लगाएगी कि उनके लिए कानूनी और वित्तीय रूप से क्या किया जा सकता है। सीएम उमर ने कहा कि उनका बजट जम्मू-कश्मीर के हर व्यक्ति और सभी राजनीतिक दलों के लिए एक प्रेम पत्र है। उन्होंने कहा, ‘मैंने इसे एक प्रेम पत्र के रूप में स्वीकार किया है। यह भाजपा, पीसी, पीडीपी, एनसी, कांग्रेस के लिए एक प्रेम पत्र है।’ उन्होंने कहा कि प्रेम पत्र प्रेम व्यक्त करने के लिए लिखे जाते हैं और वह पांच साल तक ऐसे प्रेम पत्र लिखते रहेंगे।

देश का नाम भारत है, तो भारत ही बोलो, इंडिया तो अंग्रेजी नाम: दत्तात्रेय होसबोले

नई दिल्ली, 11 मार्च। आरएसएस के राष्ट्रीय महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा है कि भारत को अंग्रेजी नाम इंडिया नहीं बल्कि भारत कहा जाना चाहिए। उन्होंने भारत बनाम इंडिया की बहस को फिर से हवा दे दी है। होसबोले ने सवाल उठाया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल राष्ट्रपति भवन में जी-20 डिनर के दौरान खुद देश को भारत गणराज्य कहा था, तो फिर भारतीय रिजर्व बैंक या संविधान जैसी संस्थाओं को अंग्रेजी नाम क्यों रखना चाहिए।

दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि अंग्रेजी में तो इंडिया है, लेकिन भारतीय भाषा में 'भारत' है। यह 'कंस्टीटूशन ऑफ इंडिया' है, 'रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया' है...ऐसा क्यों है? ऐसा सवाल उठना चाहिए। इसे सुधारा जाना चाहिए।

अगर देश का नाम भारत है, तो इसे इसी नाम से पुकारा जाना चाहिए। होसबोले ने कहा कि भारत एक भौगोलिक इकाई या संवैधानिक ढांचे से कहीं अधिक है; यह एक गहन दर्शन और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। पंचशील बालक इंटर कॉलेज के सभागार में सुरुचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक विमर्श भारत का के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए होसबोले ने इंडिया की बजाय भारत की पहचान को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम का आयोजन आरएसएस से प्रेरित संगठन प्रेरणा शोध संस्थान न्यास ने किया था। उन्होंने कहा कि देश का नाम भारत है, तो भारत ही बोलो। इंडिया तो अंग्रेजी नाम है।" उन्होंने 'कंस्टीटूशन ऑफ इंडिया', 'रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया' जैसे विरोधाभासों की ओर इशारा करते हुए कहा कि अभी भी उन्हें "औपनिवेशिक" नाम दिया जा रहा है।

तीन-भाषा फॉमूर्ले पर सियासत तेज, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने संभाला मोर्चा

तमिलनाडु, 11 मार्च। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रति डीएमके सरकार के विरोध को दोहराया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की राज्य के खिलाफ की गई असभ्य टिप्पणी की निंदा की। भाजपा नेता द्वारा माफी मांगे जाने के बाद टिप्पणी को सदन के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। दक्षिणी राज्य की आर्थिक वृद्धि का हवाला देते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु भारत का दूसरा सबसे अधिक आर्थिक रूप से विकसित राज्य बन गया है। पिछले तीन वर्षों में 10 लाख करोड़ से अधिक निजी निवेश सुनिश्चित किया गया है। अगर कोई बाधा न होती, तो हमारे तमिलनाडु का विकास बहुत बेहतर होता।

मुख्यमंत्री ने केंद्र की कथित दबाव रणनीति और एनईपी के राज्य की शिक्षा प्रणाली पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। चेन्नई के पास एक कल्याण सहायता वितरण समारोह के दौरान स्टालिन ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नाम पर, वे तमिलनाडु में शिक्षा को पूरी तरह से नष्ट करने के इरादे से नीतियां लागू कर रहे हैं। स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु को शिक्षा के लिए 2000 करोड़ रुपये तभी जारी करेगा जब राज्य त्रिभाषा नीति पर सहमत होगा, जिसमें हिंदी और संस्कृत शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्वीकार नहीं करेंगे। मैं दोहराता हूं, केवल 2000 करोड़ रुपये ही नहीं, भले ही आप 100,000 करोड़ रुपये दें, हम इस खतरनाक एनईपी योजना को स्वीकार नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एनईपी शिक्षा का निजीकरण करेगी और छात्रों को अवसरों से वंचित करेगी। शिक्षा का निजीकरण करना, उच्च शिक्षा को केवल अमीरों के लिए बनाना, शिक्षा को धर्म के साथ मिलाना, छोटे बच्चों के लिए भी सार्वजनिक परीक्षाएँ शुरू करना और कला, विज्ञान और इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए ठएएळ जैसी प्रवेश परीक्षाएँ शुरू करना शिक्षा में केंद्र सरकार को और अधिक अधिकार देगा।

भूपेश बघेल के बेटे को ईडी का समन

छत्तीसगढ, 11 मार्च। प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को शराब घोटाले में कथित मनी लॉन्ड्रिंग की चल रही जांच के सिलसिले में 15 मार्च को तलब किया है। जूनियर बघेल को संघीय एजेंसी के रायपुर कार्यालय में तलब किया गया है। यह तब हुआ जब ईडी ने दुर्ग जिले में भूपेश बघेल और उनके बेटे के ठिकानों सहित 14 ठिकानों पर छापेमारी की। घंटों चली छापेमारी के दौरान, संघीय एजेंसी - सीआरपीएफ की एक टीम के साथ - कुछ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, दस्तावेज और लगभग 30 लाख रुपये जब्त किए।

तलाशी के दौरान जांच एजेंसी ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और दस्तावेज जब्त किए। चैतन्य के अलावा उनके कथित करीबी सहयोगी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल और अन्य के परिसरों की भी तलाशी ली गई। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी सुबह करीब सात बजे शुरू हुई और ईडी के तलाशी दल के साथ सीआरपीएफ का सुरक्षा दल भी था। उन्होंने कहा कि चैतन्य बघेल अपने पिता के साथ भिलाई में रहते हैं, इसलिये उस परिसर पर भी छापेमारी की गयी। शीर्ष अदालत ने 2024 में इस मामले में ईडी की पहली ईसीआईआर (प्राथमिकी) खारिज कर दी थी, जो आयकर विभाग की शिकायत पर आधारित थी। तब ईडी ने उसके द्वारा जुटाये गये सबूतों के आधार पर आरोपियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू)/ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को नयी प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया और फिर उसने खुद नया मामला दर्ज किया।

पश्चिम बंगाल में हिंदू मंदिरों पर हमला, विधानसभा के बाहर बीजेपी का विरोध प्रदर्शन

कोलकता, 11 मार्च। पश्चिम बंगाल में हिंदू मंदिरों पर हमलों के खिलाफ भाजपा ने विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल के नेता सुवेन्दु अधिकारी ने कहा कि पिछले 4-5 दिनों से बरुईपुर, बशीरहाट में हिंदू मंदिरों और मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है। एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने दावा किया कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला किया गया। इसके खिलाफ भाजपा विधायक ने विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाया, लेकिन उन्हें बोलने तक नहीं दिया गया। विपक्ष के नेता ने दावा किया कि यह गैरकानूनी है और पश्चिम बंगाल की जनता की आवाज को दबाने की कोशिश है, जिसके खिलाफ हम प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि मांग यह है कि भेदभाव बंद किया जाना चाहिए। वोट बैंक और मुसलमानों के तुष्टीकरण के लिए हिंदुओं को किनारे किया जा रहा है।

हमारे मुख्य सचेतक डॉ. शंकर घोष ने हमारे मुद्दे उठाए और हमेशा की तरह उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई। हम इस निरंकुशता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। बशीरहाट में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना सामने आने के कुछ घंटों बाद, पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार (9 मार्च) को सोशल मीडिया पर दावा किया कि इस जघन्य अपराध के पीछे कोई सांप्रदायिक पहलू नहीं है। इस घटना को महज ‘शरारत’ करार देते हुए पुलिस ने कहा, ‘बशीरहाट में आज एक घटना के बारे में गलत सूचना और सांप्रदायिक अशांति फैलाने के लिए कुछ लोगों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं, जहां काली मंदिर में एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त पाया गया। इसमें आगे कहा गया, मूर्ति को बदला जा रहा है और इस शरारत के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

होली पर सच्चाई के रंग भरे और सब एक हो जायें

-ललित गर्ग

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है। होली प्रेम, आपसी सद्भाव और मस्ती के रंगों में सराबोर हो जाने का अनूठा त्यौहार है। यद्यपि आज के समय की गहमागहमी, मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़ से होली की परम्परा धुंधली हो रही है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

एक तरह से देखा जाए तो यह उत्सव प्रसन्नता को मिल-बांटने का एक अपूर्व अवसर होता है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसको मनाते हुए हम समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे की भावना है मानवीय गरिमा को समृद्धि प्रदान करना, जीवनमूल्यों की पहचान को नया आयाम प्रदत्त करना। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंजतार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं।

होली के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान की जाए। स्नेह और सम्मान का, प्यार और मुहब्बत का, मैत्री और समरसता का ऐसा शमां बांधना चाहिए कि जिसकी बिसात पर मानव कुछ नया भी करने को प्रेरित हो सके। होली का त्योहार ह्यअसत्य पर सत्य की विजयह्ल और ह्यदुराचार पर सदाचार की विजयह्ल का प्रतीक है। इस प्रकार होली का पर्व सत्य, न्याय, भक्ति और विश्वास की विजय तथा अन्याय, पाप तथा राक्षसी वृत्तियों के विनाश का भी प्रतीक है। फाल्गुन मास और होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ, दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण जीवन जीये और सभी के लिय बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्म उन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं, दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई-चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरे। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

होली रंगों का निराला एवं अनूठा पर्व है और हमारा जीवन ढेर सारे रंगों का एक पिटारा है। यहां हर रंग जुदा है तो दूसरों से मिला हुआ भी। एक रंग, दूसरे से मिलकर तेजी से नया ही रंग-रूप धर लेता है। किसी एक पर अटके रहकर काम चल ही नहीं सकता। यही जीवन लीला है। पर क्या दूसरों के रंगों को अपने में समा लेना आसान होता है? रंगों को कोई तो कैनवस चाहिए ही ना! संकल्प हो तो कितने रंग खिल सकते हैं? सच यह है कि ना ही दूसरों को अपना बनाना आसान है और ना ही दूसरों का होकर रह पाना। जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा का। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है। जितने रंग प्रकृति के हैं, उतने ही हमारे हैं और प्रकृति हर पल रंग बदलती है। पुरानी पत्तियां शाख छोड़ती नहीं हैं कि नई खिलनी शुरू हो जाती हैं। पतझड़ और बसंत साथ ही चलते रहते हैं। धरती के भीतर के घुप अंधेरों को चीर कर बाहर निकला बीज, फूल, शाख, पत्तियां और फल के रंग धर लेता है। उगने, डूबने, खिलने, फैलने, मिलने, सूखने, झड़ने, चढ़ने, उतरने और खत्म होने का हर रंग प्रकृति में है और है होली के मनभावन पर्व में। पर प्रकृति हो या होली इनसे उदासीन हम, कुछ ही रंगों में सिमट जाते हैं। गिले-शिकवों, उदासी, तेरे-मेरे, क्रोध और कुंठा में ही अटक जाते हैं। नतीजा, जिंदगी में तनाव और उदासी घिरने लगती है।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से जीवन में सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेंकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, ह्यकाला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए, बिना किसी वास्तविकता का रचा नहीं जा सकता।ह्ल जीवन में सुख-दुख दोनों हैं। दोनों एक-दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है, राग-रंग से परे होकर स्वयं को रंगना एवं दूसरों को रंग लगाना ही होली है, होली न सिर्फ बाहर से बल्कि भीतर से रंग जाने, आध्यात्मिक एवं पवित्र हो जाने की सीख है, होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करने का अनुष्ठान है।

चीन ने रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाया, भारत के लिए कितनी बड़ी चुनौती?

अशोक भाटिया

चीन का 245 बिलियन डॉलर का रक्षा बजट भारत के 79 बिलियन डॉलर से तीन गुना अधिक है, जिससे आधुनिकीकरण, रणनीतिक निवारण और सैन्य तैयारियों के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। चीन ने अपने वार्षिक रक्षा बजट में 7.2% की वृद्धि की घोषणा की है, जिससे उसका आधिकारिक सैन्य व्यय बढ़कर 245 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के दौरान सामने आया यह घटनाक्रम बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने पर बीजिंग के फोकस को रेखांकित करता है।

पिछले वर्ष के समान प्रतिशत वृद्धि को बनाए रखने के बावजूद, विशेषज्ञों का तर्क है कि चीन का वास्तविक सैन्य खर्च घोषित की गई राशि से काफी अधिक है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, चीन का वास्तविक रक्षा बजट आधिकारिक आंकड़ों से 40-50% अधिक हो सकता है, क्योंकि वास्तविक व्यय को छिपाने के लिए अक्सर धन को विभिन्न श्रेणियों के तहत आवंटित किया जाता है। घोषित आंकड़ों के अनुसार भी, चीन का रक्षा बजट भारत के 79 बिलियन डॉलर के आवंटन से तीन गुना अधिक है और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है, जिसने 2025 में सैन्य खर्च के लिए 900 बिलियन डॉलर से अधिक का बजट निर्धारित किया है।

चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की बैठक में इस बढ़ोतरी की वजह बताते हुए प्रवक्ता वांग चाओ ने कहा कि सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बजट को बढ़ाया गया है। यह आठवां साल है जब चीन में सैन्य बजट में बढ़ोतरी का ऐलान किया गया है। स्पष्ट है कि चीन भले ही बुरे आर्थिक हालातों से जूझ रहा है, लेकिन जंग के लिए खुद को तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ली केकियांग का कहना है, सैन्य अभियान चलाने और युद्ध की तैयारियों को बढ़ाने के लिए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की गई है। अमेरिका के बाद चीन डिफेंस सेक्टर में सबसे ज्यादा खर्च करने वाला देश है। 2025-2026 के लिए भारत का कुल बजट $580 बिलियन (?50.65 ट्रिलियन) है, जिसमें अनुमानित राजस्व $400 बिलियन (?34.96 ट्रिलियन) है। हालाँकि, भारत का रक्षा आवंटन सकल घरेलू उत्पाद का 1.9% बना हुआ है, जो चीन और पाकिस्तान के खिलाफ विश्वसनीय प्रतिरोध के लिए रक्षा विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए 2.5% से काफी कम है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषकों का तर्क है कि भारत को अपने रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के कम से कम 2.5% तक बढ़ाना चाहिए ताकि परिचालन संबंधी कमियों को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सके और अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण किया जा सके। वर्तमान में, रक्षा बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा - लगभग 75% - वेतन, पेंशन और परिचालन लागतों में चला जाता है, जिससे उन्नत सैन्य संपत्ति हासिल करने के लिए सीमित धनराशि बचती है। रक्षा बजट को बढ़ाना चीन की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। वर्तमान में चीन की हथियारों को तैयार करने की क्षमता काफी ज्यादा है। हथियारों को निर्यात करने के मामले में अमेरिका, रूस और फ्रांस के बाद चीन चौथे पायदान पर है। दुनिया की टॉप 10 हथियार कंपनियों में चीन की तीन शामिल हैं। हथियारों की ब्रिकी का रिकॉर्ड देखें तो अमेरिका की लॉकहीड मार्टिन और नॉर्थ्रप ग्रमन कॉरपोरेशन के बाद तीसरे पायदान पर चीन का नॉर्थ इंडस्ट्रीज ग्रुप कॉरपोरेशन है।

डिफेंस सेक्टर में चीन के जो हालात हैं वो हमेशा से वैसे नहीं थे। सोवियत संघ के दौर में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी काफी अहद तक रूसी हथियारों पर निर्भर रहती थी। सोवियत संघ से चीन ने काफी कुछ सीखा। यही वजह है कि चीनी हथियार से लेकर लड़ाकू विमानों में सोवियत संघ की छाप देखने को मिलती है। समय के साथ चीन में हथियारों के निर्माण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ना शुरू किया। रूसी तकनीक और अपने पुराने मिसाइल सिस्टम में सुधार किए। अपनी वेपन सिस्टम डेवलप किए। अभी भी चीन सोवियत के दौर के हथियार बना रहा है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच हथियारों का आदान-प्रदान हो रहा है। स्टॉकहोम इंटरनैशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट कहती है, 2016 से 2021 तक चीन ने जितना हथियार आयात किया था, उसका 81 फीसदी हिस्सा तो रूस ने भेजा था।

गौरतलब है कि चीन द्वारा उसके रक्षा खर्चों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय की गई है जब लद्दाख और अरुणाचल सीमा पर पिछले लगभग दो साल से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ है। तनाव कम करने के लिए 15वें दौर की वार्ता में भी कुछ हल निकल सका है। वहीं दूसरी तरफ चीन का अमेरिका के साथ सैन्य एवं राजनीतिक तनाव बढ़ता ही जा रहा है। चीन के खिलाफ बने क्वाड गठजोड़ ने भी चीन की चिंताओं को अधिक बढ़ाया है। इन सबके अलावा चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों से पीछे हटने वाला नहीं है। शायद इसीलिए चीन अपने रक्षा बजट में लगातार बढ़ोतरी कर रहा है। विदित हो कि यह लगातार आठवां ऐसा वर्ष है जब चीन के रक्षा बजट में बढ़ोतरी का प्रतिशत इकाई अंक तक ही सीमित रखा, लेकिन भारत की तुलना में उसका रक्षा बजट काफी अधिक है। यहां गौरतलब यह भी है कि रक्षा बजट के मामले में चीन अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है। इस घोषणा के बाद चीन अमेरिका के बाद रक्षा पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश बन गया है। अमेरिका का रक्षा बजट चीन के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा होता था जो अब साढ़े तीन गुना ही ज्यादा है।

हाल के वर्षों में चीन ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं। इन सुधारों के तहत उसने दूसरे देशों में अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए नौसेना और वायु सेना को प्राथमिकता देते हुए उनका विस्तार किया। अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर रहा है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है। उसने भारतीय सीमा के नजदीक सैन्य गांव भी बसा दिए हैं। जबकि उसने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिकों की संख्या में तीन लाख तक की कटौती भी की है। इसके बावजूद 20 लाख की सैन्य संख्या बल के साथ पीएलए अब भी दुनिया की सबसे बड़ी सेना है। चीन अपनी इसी रक्षा नीति पर चलते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है। विगत दो वर्षों में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है।

विदित हो कि कुछ समय पहले चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपनी नौसेना को संसार की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बनाने का जो संकल्प लिया था उसे चीन पूरा करने में लगा हुआ है। वर्ष 2020 तक चीन ने 360 से ज्यादा युद्धपोतों की तैनाती की है। चीन की यह विस्तारवादी नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी। चीन अपनी सामरिक क्षमता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड ?ा चाहता है। चीन ने रक्षा बजट में वृद्धि को उचित ठहराते हुए यह भी कह रहा है कि अमेरिका एशिया-प्रशांत क्षेत्र का सैन्यीकरण कर रहा है। खासकर दक्षिण चीन सागर को लेकर खींचतान सबसे ज्यादा है। चीन के नीति नियंताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाए जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है। चीन का ध्यान स्टील्थ लड़ाकू विमान, विमानवाहक पोत, सेटेलाइट रोधी मिसाइल समेत नई सैन्य क्षमता विकसित करने पर है। चीन अपना दबदबा बढ़ाने के लिए नौसेना की पहुंच को समुद्री क्षेत्रों में फैला रहा है। इस साल के रक्षा बजट का मुख्य जोर नौसेना के विकास पर रहेगा, क्योंकि दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर पर उसके दावे तथा समुद्री आवागमन के लिहाज से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है। इसके अलावा, एशिया प्रशांत क्षेत्र में अस्थिर सुरक्षा स्थिति को देखते हुए उसके जवाब के तौर पर तैयार होना है। इस तरह यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन सैन्य क्षेत्र में दुनिया के शक्तिशाली देशों की तुलना में सबसे ऊपर रहना चाहता है। ऐसी स्थिति में भारत को चीन की रक्षा बजट में बढ़ोतरी से सजग रहने की आवश्यकता होगी।

हथियारों के मामले में चीन और रूस की दोस्ती दुनियाभर के देशों समेत भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस को जिस तरह की तोपों के गोलों की जरूरत है, उसकी सप्लाई चीन आसानी से कर सकता है क्योंकि चीनी कंपनी के पास कच्चा माल भी है और उसे बनाने की क्षमता भी।रूसी लड़ाकू विमानों और मिसाइल सिस्टम्स का एक बड़ा जखीरा चीन के पास है। अगर आने वाले दिनों में हालात बिगड़ते हैं तो चीन रूस को इनकी सप्लाई कर सकता है। रूस के लिए यह काफी आसान होगा क्योंकि हथियारों में इस्तेमाल होने वाली तकनीक के मामले दोनों देश एक ही जैसे हैं। भारत और चीन के बीच हालात पहले से ही सामान्य नहीं हैं। ऐसे में चीन बड़ी समस्या बन सकता है।

शेखावाटी में चंग पर धमाल गाकर मनाते हैं होली

-रमेश सर्राफ धमोरा

14 मार्च होली पर विशेष

शेखावाटी अंचल में होली एक सुप्रसिद्ध लोक पर्व है तथा इस पर्व को क्षेत्र में पूरे देश से अलग ही ढंग से मनाया जाता है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शेखावाटी क्षेत्र में बसंत पंचमी के दिन से शुरूआत कर दी जाती है। क्षेत्र में होली के पर्व पर चंग की धुन पर गाई जाने वाली धमालों में यहां की लोक संस्कृति का ही वर्णन होता है। इन धमालों के माध्यम से जहां प्रेमी अपनी प्रेमिकाओं को अपने प्रेम का संदेशा पहुंचाते हैं वहाँ श्रद्धालु धमालों के माध्यम से लोक देवताओं को याद कर सुख समृद्धि की कामना करते हैं। धमाल के साथ ही रात्रि में नवयुवक विभिन्न प्रकार के स्वांग भी निकाल कर लोगों का भरपूर मनोरंजन करते हैं। गांवों में स्त्रियां रात्रि में चैक में एकत्रित होकर मंगल गीत, बधावे गाती हैं। होली के दिनों में आधी रात तक गांवों में उल्लास छाया रहता है।

उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शुरूआत तब होती है, जबकि बसन्त अपने पूर्ण यौवन पर होता है और बांसुरी की मदहोश करती धुनें और चंग की थाप पर मानव का मन-मयूर नाचने लगता है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है। शेखावाटी की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। फाल्गुन में सांझ ढलते ही धमाल सुनाई देने लगे हैं। चंग की थाप पर पांव थिरकने लगे हैं और बांसुरी की सुरीली आवाज कानों में मिश्री घोलने लगी है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है।

शेखावाटी अंचल में होली पर कस्वों में विशेष रूप से गींदड़ नृत्य किया जाता है। गुजराती नृत्य गरवा से मिलता-जुलता गींदड़ नृत्य में काफी लोग विभिन्न प्रकार की चिताकर्षक वेशभूषा में नंगाड़े की आवाज पर एक गोल घेरे में हाथ में डंडे लिए घूमते हुए नाचते हैं तथा आपस में डंडे टकराते हैं। प्रारम्भ में धीरे-धीरे शुरू हुआ यह नृत्य धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ता जाता है। इसी रफ्तार में डंडों की आवाज भी टकरा कर काफी तेज गति से आती है तथा नृत्य व आवाज का एक अद्भुत दृश्य उत्पन्न हो जाता है जिसे देखने वाला हर दर्शक रोमांचित हुए बिना नहीं रह पाता है। होली के अवसर पर चलने वाले इन कार्यक्रमों से यहाँ का हर एक व्यक्ति स्वयं में एक नई स्फूर्ति का संचार महसूस करता है।

इन नृत्यों की लोक परम्परा को जीवित रखने के लिए क्षेत्र की कुछ संस्थाएं विगत कुछ समय से विशेष प्रयासरत हैं। झुंझुनू शहर में सद्भाव नामक संस्था गत 18 वर्षों से होली के अवसर पर चंग, गींदड़ कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है, जिसे देखने दूर-दराज गांवों से काफी संख्या में लोग आते हैं। झुंझुनू, फतेहपुर शेखावाटी, रामगढ़ शेखावाटी, मण्डावा, लक्ष्मणगढ़, चूरू, बिसाऊ, लक्ष्मणगढ़ कस्बों का गींदड़ नृत्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। इसी कारण चंग व गीन्दड़ नृत्य का आयोजन शेखावाटी से बाहर अन्य प्रान्तो में भी होने लगा है। धुलंडी के दिन इन नृत्यों का समापन होता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में हर मोहल्ले में अपनी चंग पार्टी होती है। चंग शेखावाटी क्षेत्र का प्रसिद्ध नृत्य है। इसमें प्रत्येक पुरुष चंग बजाते हुये नृत्य करते हैं। यह मुख्यतरू होली के दिनों में किया जाता है। चंग को प्रत्येक पुरुष अपने एक हाथ से थाम कर और दूसरे हाथ से कटरवे का ठेका बजाते हुए वृत्ताकार घेरे में नृत्य करते हैं। घेरे के मध्य में एकत्रित होकर धमाल और होली के गीत गाते हैं। होली के एक पखवाडे पहले गींदड शुरू हो जाता है। जगह- जगह भांग घुटती है। हालांकि अब ये नजारे कम ही देखने को मिलते हैं। जबकि, शेखावाटी में ढूंढ का चलन अभी है। परिवार में बच्चे के जन्म होने पर उसका ननिहाल पक्ष और बुआ कपडे और खिलौने होली पर बच्चे को देते हैं।

शेखावाटी अंचल के हर गांव कस्बे में रात्रि में लोग एकत्रित होकर चंग की मधुर धुन पर देर रात्रि तक धमाल गाते हुए मोहल्लों में घूमते रहते हैं। होली के अवसर पर बजाया जाने वाला चंग भी इसी क्षेत्र में ही विशेष रूप से बनाया जाता है। चंग की आवाज तो ढोलक की माफिक ही होती है, मगर बनावट ढोलक से सर्वथा भिन्न। चंग ढोलक से काफी बड़ा व गोल घेरे नुमा होता है। होली के प्रारम्भ होते ही गांवों में लोग अपने-अपने चंग (ढप) संभालने लगते हैं। होली चूंकि बसंत ऋतु का प्रमुख पर्व है तथा बसंत पंचमी बसंत ऋतु प्रारम्भ होने की द्योतक है। इसलिए इस अंचल में बसंत पंचमी के दिन से चंग बजाकर होली के पर्व की विधिवत शुरूआत कर दी जाती है। लोगों का कहना है कि अगर होली के त्यौहार से लोक वाद्य चंग और धमाल को निकाल दिया जाये तो होली का त्यौहार बेजान हो जायेगा। ग्रामीण चंग और धमाल को होली पर्व की आत्मा मानते है। आज ये परम्परा धीरे धीरे लुप्त होती जा रही है। पहले यहां होली का त्योहार प्यार के साथ मनाया जाता था, सब साथ मिलकर चंग पर धमाल गाते थे लेकिन आजकल वो सब खत्म सा हो गया है। क्षेत्र में बढ़ते शराब के प्रचलन के कारण लोग रात्रि में घरों से बाहर निकलने से डरने लगे हैं तथा गांवों में भी पहले की तरह सामंजस्य नहीं रहा। इसके अलावा ऑडियो कैसेटों के बढ़ते प्रचलन से भी इस लोक पर्व को कृत्रिम सा बना दिया है। कैसेटों की वजह से पर्व की मौलिकता ही समाप्त होने जा रही है। यदि समय रहते होली पर व्याप्त हो रही कुरीतियों व शराब के चलन की समाप्ति का प्रयास नहीं किया गया तो यह पर्व अपना मूल रूप खो बैठेगा।

होली- गोश्त के साथ रंगीन पानी ना हो तो कैसा कायस्थ

-संजय सक्सेना

पूरे देश की तरह लखनऊ में भी होली के रंग अलग-अलग देखने को मिलते हैं। यहां आज भले ही किसी एक वर्ग को होली के रंगों से परहेज हो,लेकिन एक समय यहां के मुगल नवाबों के यहां होली पर कई दिनों तक जश्न मनाया जाता था। होली की पहचान रंगों के अलावा खाने-पीने से भी जुड़ी हुई है। होलाष्टक लगते ही पूरा शहर मस्ती में झूमने लगता है। सबसे अधिक भीड़ तो मयखानों और गोश्त की दुकानों में दिखाई पड़ती है। और जब खाने पीने की बात चलती है तो इसमें सबसे ऊपर नाम कायस्थों का आता है,जिनके यहां होली पर बने लजीज व्यंजन हर बिरादरी के यार-दोस्तों को अपने यहां खींच लाते हैं।की होली ऊपर से दिखती तो एक जैसी ही है, लेकिन उसके भीतरी रंग में जातीय विशेषताएं भी घुली रहती हैं। लखनवी नफासत-नजाकत से लेकर होली के हुड़दंग में भी अपनी अलग पहचान बनाए रहती थी तो उसका बहुत हद तक श्रेय यहां की कायस्थ बिरादरी को भी जाता है। लखनऊ में कायस्थों की बड़ी आबादी रहती है। एक मोटे अनुमान के अनुसार लखनऊ में कायस्थों की आबाद डेढ़ लाख के करीब है। वैसे तो यह वर्ग नौकरीपेशे वाला माना जाता है,लेकिन तीज त्योहार मनाने में मामले में भी इसकी कहीं कोई बराबरी नहीं है।

गौरतलब है कि मुस्लिम बिरादरी आमतौर पर होली के रंग से परहेज करती है, जबकि लखनवी तहजीब की बुनियाद तो मुस्लिम समुदाय ने ही डाली थी तो होली पर इस तहजीब की रंगत अगर किसी ने बरकरार रखी है तो वह लखनऊ की कायस्थ बिरादरी ही है। तो लखनऊ के ब्राह्मणों का भी इसमें खासा योगदान रहा है,जो कायस्थों के यहां बने नॉनवेज का पूरा लुफ्त उठाते हैं।लखनऊ के पुराने कायस्थों को तो आधा मुसलमान ही माना जाता था क्योंकि गोश्त-शराब उनकी दिनचर्या में शामिल रहा है। होली हो और गोश्त न बने तो कैसा कायस्थ? और यह भी नहीं कि सिर्फ गोश्त ही बने, कलेजी भुनी हुई न हो तो शराब हलक के नीचे उतरे कैसे। इसलिए कलेजी तो जरूरत की चीज समझी जाती थी होली में। हरी मटर फागुन में बहुतायत से और सस्ती मिलती है। कीमा मटर बहुत पसंद किया जाता रहा है। इसी को जब सूखा यानी बगैर शोरबे के बनाते हैं तो उसे दुलमा कहा जाता है। यहां यह भी ध्यान रहे कि 1950 के दशक में न गैस के चूल्हे थे और न ही कुकर। कायस्थों के घर में ये सब मांसाहारी व्यंजन पकाने और बनाने में खासा वक्त और मेहनत लगती थी। इसका श्रेय निश्चित रूप से महिलाओं को ही दिया जाता है और दिया भी जाना चाहिए।

आज भी जब कायस्थों के यहां शादियां तय होती हैं तो पहली बात यही पूछी जाती है कि लड़की शाकाहारी है कि मांसाहारी। अगर शाकाहारी है तो क्या घर में मांस बनने से परहेज तो नहीं होगा? यानी कि घर में बने तो वह घिनाएगी तो नहीं। कायस्थों के यहां एडजस्टमेंट की काफी गुंजाइश रहती है। मेरे पिता मांसाहारी थे, जबकि माँ प्योर शाकाहारी,लेकिन उनके हाथ के बने नॉनवेज की तारीफ कई बार हम सुन चुके हैं। उनका खाना पहले बनाकर अलग रख दिया जाता था, उसके बाद चौके में मांसाहार भी बनता था। अनेक कायस्थ परिवारों में यह परंपरा आज भी जारी है। कोई गोश्त-शराब का शौकीन है तो कोई परहेजगार है। लेकिन परिवार तो परिवार है, खान-पान के सबब से हरगिज नहीं टूटेगा। लखनऊ के कायस्थों की होली में खानपान के साथ इत्र भी महकता रहता है। अबीर-गुलाल में खस मिलाने की परंपरा लखनऊ में बहुत पुरानी है। यहां तक कि गीले रंग में भी इत्र मिलाया जाता था ताकि रंग की फुहार पड़े तो बदन महकने लगे और खुद को अच्छा लगे। अमीनाबाद से चौक की तरफ जाने लगिए तो रकाबगंज पड़ता है। यहां दाहिने हाथ एक ढाल उतरती है और एक मोहल्ला मशकगंज कहलाता है। जहां बड़ी सख्या में कायस्थ रहते हैं,इसी तरह से निवाजगंज,बाबूगंज, नौबस्ता मौहल्ला कभी कायस्थों का गण हुआ करता था,होली पर यहां हर घर से नॉनवेज की खुशबू आती थी तो रंगीन पानी के शौकीन ह्यगिलास लड़ातेह्ल मिल जाते थे। गरीब से गरीब कायस्थ भले ही फटा-पुराना कपड़ा पहन कर रंग खेलते रहे हों, लेकिन खाते-पीते घर के कायस्थ हमेशा ही सफेद-घुले, बरकाबरक कपड़ों में ही रंग खेलना पसंद करते थे। रंग पड़े तो खिले भी। कालिख मुंह पर पोतना-पुतवाना, उन्हें नागवार ही गुजरता था।

गोश्त-शराब का जिक्र पहले हो चुका है। यहां सिर्फ यह बताना जरूरी है कि बहुत से वैश्य और ब्राह्मण घरों में इसे निषिद्ध माना जाता था। लेकिन इनकी युवा पीढ़ी की जुबान लांय-लांय करती थी। सो ऐसे युवा तुर्क होली में कायस्थों के घर जरूर पहुंचते थे। उन्हें पता होता था कि किन-किन घरों में मांसाहार जरूर बना होगा। कायस्थों को खुद खाने के अलावा खिलाने का भी शौक रहा है, इसलिए उनके घरों में हमेशा ही उनका स्वागत होता आया है। आओ भाई, लो पीयो और खाओ। दुलमा तो चख के देखो ही। एक बार मेरे गरीबखाने पर पड़ोस के एक वैश्य सज्जन आए। पीते तो थे, मगर मांस नहीं खाते थे। औरों को दुलमा खाते देख उन्होंने भी मटर की सब्जी समझ के दुलमा चख लिया। मजा आया तो और खाया। हम लोगों ने उन्हें बताया नहीं कि क्या है। दूसरे दिन बताया तो वे अब क्या करते? बोले अब खा ही लिया तो आगे भी खाया करूंगा, जब बने तो मुझे भी बुला लेना, लेकिन घरवालों को बताना नहीं। मेरे परिवार ने यह फर्ज हमेशा निभाया। खिलाया भी बताया भी नहीं। कायस्थों की अदा कुछ अलग ही नजर आती है। खाने-पीने से धर्म का कोई संबंध नहीं है। लेकिन कुछ लोग मानते हैं तो हम क्या करें। शाम के वक्त नए धुले कपड़ों में खस या हिना लगाकर गले मिलने का रिवाज कायस्थों में पहले भी था और अमीनाबाद,रकाबगंज, सआदतगंज वगैरह में आज भी है।

महिला पुरस्कारों की गरिमा और निष्पक्षता पर उठते प्रश्न

-प्रियंका सौरभ

हाल ही हरियाणा में महिला दिवस पर विवादित महिला का मुख्यमंत्री से सम्मान मामले ने गहरे प्रश्न सबके सामने रख दिए है। कई वर्षों से, महिला पुरस्कार मान्यता के चमकदार प्रतीक के रूप में खड़े हैं, जो उन क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर करते हैं जहाँ उन्हें अक्सर दरकिनार कर दिया जाता है। ये सम्मान सिर्फ़ समावेशन के लिए एक प्रेरणा से कहीं ज्यादा है; इनका उद्देश्य ऐसे समाज में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करना है जो अक्सर महिलाओं के योगदान को अनदेखा करता था। हालाँकि, राजनीतिक प्रभावों और बदलते सांस्कृतिक दृष्टिकोणों से चुनौती के कारण इन पुरस्कारों की अखंडता अब जोखिम में है। महिला पुरस्कारों का भविष्य समाज की निष्पक्षता, मान्यता और समावेशिता के बीच संतुलन खोजने की क्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे में ये महत्त्वपूर्ण है कि हम आगे चलकर महिला उपलब्धियों का सम्मान कैसे करते हैं। महिला पुरस्कारों ने ऐतिहासिक रूप से विभिन्न क्षेत्रों में महिला उपलब्धियों को स्वीकार करने और सम्मानित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे साहित्य, विज्ञान, खेल या फिल्म हो, इन पुरस्कारों ने उन क्षेत्रों में आवश्यक मान्यता प्रदान की है जहाँ महिलाओं को अक्सर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, हमारे तेजी से बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल में, इन पुरस्कारों का महत्त्व और आवश्यकता जांच के दायरे में आ रही है। अतीत में, महिला पुरस्कार उन क्षेत्रों में उत्कृष्टता की कड़ी मेहनत से स्वीकारोक्ति का प्रतिनिधित्व करते थे, जहाँ अक्सर महिला प्रतिभा को अनदेखा किया जाता था। वे सिर्फ़ समावेश के प्रतीक नहीं थे, बल्कि लचीलेपन, दृढ़ संकल्प और अग्रणी सफलता के प्रतीक थे। हालाँकि, आज, इन पुरस्कारों की अखंडता खोने का जोखिम है- महिलाओं की उपलब्धियों में गिरावट के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि उनकी मान्यता का मूल अर्थ धुंधला, राजनीतिकरण या पूरी तरह से खारिज हो रहा है। ऐसे समय में जब समावेशिता को अपनाने का दावा किया जाता है, महिला पुरस्कारों का अनूठा उद्देश्य उल्टा जोखिम में है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि समानता के उद्देश्य वाले समाज में लिंग-विशिष्ट पुरस्कार अब मौजूद नहीं होने चाहिए। लेकिन क्या सच्ची समानता उन मंचों को खत्म करने से आती है जो कभी महिलाओं की आवाज को बुलंद करते थे? समान अवसर बनाने के बजाय, हम एक चिंताजनक प्रवृत्ति देख रहे हैं: महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए डिजाइन किए गए पुरस्कारों का मिश्रण, पुनर्उद्देश्य या पूर्ण रूप से हटाना। आज के सांस्कृतिक परिवेश में, जहाँ प्रतिनिधित्व को अक्सर प्राथमिकता दी जाती है, कुछ पुरस्कारों ने सच्ची उपलब्धियों से ध्यान हटाकर केवल दिखावे पर ध्यान केंद्रित किया है। वास्तविक योग्यता का जश्न मनाने के बजाय, चयन समितियाँ राजनीतिक शुद्धता के साथ संरेखित विकल्प चुनने के लिए बाध्य महसूस कर रही हैं, जो पुरस्कारों की अखंडता से समझौता कर सकती हैं।

यदि किसी महिला को उसकी असाधारण क्षमताओं के लिए नहीं बल्कि इसलिए सम्मानित किया जाता है क्योंकि वह किसी विशिष्ट कथा में फिट बैठती है, तो क्या वह मान्यता वास्तव में समान महत्त्व रखती है? महिला पुरस्कारों को पुराने प्रतीक या दिखावटीपन के उपकरण नहीं बनने चाहिए। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की विशिष्ट चुनौतियों और सफलताओं पर प्रकाश डालना जारी रखना चाहिए। इसका उत्तर इन पुरस्कारों के महत्त्व को बढ़ाने में है- यह सुनिश्चित करना कि वे केवल एक प्रतीकात्मक इशारे के बजाय सच्ची उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि हम वास्तव में महिलाओं का जश्न मनाना चाहते हैं, तो उनके पुरस्कार केवल औपचारिकता नहीं होने चाहिए। उन्हें प्रतिभा, लचीलेपन और महत्त्वपूर्ण योगदान की सही स्वीकृति के रूप में काम करना चाहिए। इसके अलावा, पुरस्कारों के बढ़ते राजनीतिकरण ने योग्यता-आधारित मान्यता की स्पष्टता को धुंधला कर दिया है।

कमलादेवी शिक्षण संस्थान द्वारा विज्ञान कला प्रदर्शनी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कमलादेवी शिक्षण संस्थान के द्वारा वर्ष 2024 - 25 के लिए एक भव्य विज्ञान और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। जिसमें प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न कलात्मक वस्तुओं का कला प्रदर्शनी किया और साथ ही स्कूल के माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषय विभिन्न प्रयोगों के उपक्रमों का प्रदर्शन (विज्ञान प्रदर्शनी) किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष कमलादेवी शिक्षण संस्था की खजिनदार श्वेता पांडे, रचिता मुरपाणी और कमलादेवी महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सिम्मी सिंह प्रमुख उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम की शुरूआत उद्घाटन सत्र और दीप प्रज्वलन से हुई। उसके बाद महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सिम्मी सिंह ने विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य के अवसरों और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्ष श्वेता पांडे ने विद्यार्थियों की कलात्मक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना की। परीक्षकों ने भी विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य के अवसरों और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग पर मार्गदर्शन किया। पूरे सत्र के बाद स्कूल के मुख्याध्यापक श्री अमर मुनेश्वर ने मान्यवरों का आभार व्यक्त किया और पुरस्कार वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

एसएस इनोवेशन्स ने 'मंत्राएम' का अनावरण किया

मुंबई। भारत के पहले और एकमात्र स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स ने दूसरे ग्लोबल एसएसआई मल्टी-स्पेशलटी रोबोटिक सर्जरी कॉन्फ्रेन्स (एसएमआरएससी) 2025 का आयोजन किया। एसएमआरएससी 2025 में की गई एक महत्वपूर्ण घोषणा के तहत एसएस इनोवेशन्स ने एसएसआई मंत्रा टेली-सिंक मोबाइल यूनिट एसएसआई मंत्राएम का अनावरण किया। अपनी तरह की यह अनूठी पहल भारत में रोबोटिक सर्जरी और टेलीमेडिसिन में नया बदलाव लेकर आएगी। यह आधुनिक मोबाइल टेली-सर्जिकल यूनिट चिकित्सा तकनीक के आधुनिकीकरण, चिकित्सा सेवाओं की बुनियादी सुविधाओं को नया आयाम देने और आधुनिक सर्जिकल देखभाल की पहुंच बढ़ाने के लिए एसएस इनोवेशन्स की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके माध्यम से एसएस इनोवेशन्स मेड-टेक की सीमाओं को पार करने, सर्जिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर में बदलाव लाने तथा रोबोटिक सर्जरी एवं हेल्थ टेक इनोवेशन में ग्लोबल लीडर के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया भर से 1200 से अधिक प्रख्यात चिकित्सा पेशवर शामिल हुए, जिन्हें इस मंच के माध्यम से रोबोटिक सर्जरी की बदलावकारी क्षमता के बारे में जानने का अवसर मिला। एसएसआई मंत्राएम के लॉन्च पर बात करते हुए डॉ सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं चेयरमैन और सीईओ, एसएस इनोवेशन्स ने कहा, एसएसआई मंत्राएम एक मोबाइल टेलीसर्जिकल यूनिट से कहीं बढ़कर है। यह विश्वस्तरीय स्वास्थ्यसेवाओं में आधुनिक बदलाव लाने का एक आंदोलन है। हाई-स्पीड टेलीकम्युनिकेशन एवं सैटेलाइट कनेक्टिविटी के साथ यह भौगोलिक बाधाओं को दूर करता है तथा उन वंचित समुदायों के लिए जीवन रक्षक रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी को सुलभ बनाता है, जो इससे वंचित हैं। टेली सर्जरी के दायरे से आगे बढ़कर एसएसआई मंत्राएम सर्जिकल शिक्षा, टेली-मेंटरिंग एवं रियल-टाईम पेशेंट डेटा एनालिटिक्स के लिए पावरफुल प्लेटफॉर्म की तरह काम करती है। निरंतर अनुसंधान एवं इनोवेशन के जरिए एसएसआई यह सुनिश्चित कर रही है कि आधुनिक रोबोटिक सर्जरी उन सभी लोगों की पहुंच में आ जाए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। टेलीसर्जरी की आधुनिक क्षमता के साथ एसएसआई मंत्रा दूरदराज के वंचित क्षेत्रों में विश्वस्तरीय रोबोटिक-असिस्टेड प्रक्रियाओं को सुलभ बनाकर सर्जिकल केयर की सभी बाधाओं को दूर कर रही है। टेली सिंक मोबाइल युनिट में एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम, हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सर्जिकल रोबोटिक्स शामिल है जो रिमोट एवं ऑन-साईट सर्जिकल टीम के बीच रियल टाईम सहयोग को सुनिश्चित करता है। इस इनोवेशन के जरिए सर्जन न्यूनतम लेटेंसी के साथ प्रक्रिया को पूरा कर सकता है, इस तरह आधुनिक सर्जिकल केयर पहले से कहीं अधिक सुलभ हो जाती है।

भिवंडी मनपा की सुरक्षा ब्यवस्था चरमराई, हेल्थ सेंटर से इलेक्ट्रिक उपकरणों की चोरी

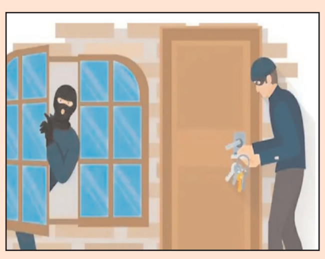

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के नदी नाका हेल्थ सेंटर में बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। यह हेल्थ सेंटर आईजीएम अस्पताल के पास कचेरी पाडा में स्थित है।

पुलिस के मुताबिक, ५ मार्च की रात ९:१० बजे से ६ मार्च की सुबह ९:३० बजे के बीच अज्ञात चोरों ने सेंटर का ताला तोड़कर भीतर घुसने के बाद कीमती इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चुरा लिए।चोरों ने हेल्थ सेंटर से (छील्लङ्क५) कंपनी का कंप्यूटर, सीपीयू, मॉनिटर, माउस, वेब कैमरा और (एस्त्र२ङ्कल्ल) कंपनी का प्रिंटर गायब कर दिया। चोरी हुए सामान की कुल कीमत ३६,२०० रुपए बताई जा रही है।शिकायत दर्ज होने के बावजूद पुलिस को अब तक कोई अहम सुराग नहीं मिला है। मनपा के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रूकय्या बानो मोहम्मद लाईक कुरेशी की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है और अधिकारी सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटे हैं। ताकि चोरों तक पहुंचा जा सके। इस घटना के बाद पालिका के स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, प्रभाग समिति कार्यालयों, वाचनालयों और जल आपूर्ति कार्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। आखिर इतनी आसानी से चोर सेंटर में घुसे और महंगे उपकरण लेकर फरार हो गए।

स्थानीय लोगों का मानना है कि हेल्थ सेंटर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों तक पहुंचा जा सकता है। फिलहाल पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

फूलों की होली के संग, धूमधाम से संपन्न हुई भायंदर सत्ता की 24 वीं वर्षगांठ

भाईंदर(उत्तरशक्ति)। पिछले 24 वर्षों से निरंतर प्रकाशित होने वाले राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र भायंदर सत्ता ने रविवार, 9 मार्च को बड़े ही धूमधाम से अपनी 24वीं वर्षगांठ मनाई। भायंदर सत्ता एवं राहुल ग्रुप ऑफ स्कूल एंड कॉलेजेस के संयुक्त तत्वावधान में मीरा रोड के एल. आर. तिवारी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रांगण में फूलों की होली खेली गई। सह-आयोजक के रूप में श्री शनिधाम पंचदेव इच्छापूर्ति मंदिर, कनकिया, मीरा रोड के शास्त्री सुरेश ओझा गुरुजी ने इस आयोजन में अपनी सक्रियता दिखाई।कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षण सम्राट पंडित लल्लन तिवारी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पूजा से की। भायंदर सत्ता के प्रकाशक व संपादक राजदेव तिवारी की इस यात्रा की भूरि-भूरि प्रशंसा के साथ उपस्थित गणमान्यों ने उनकी हौसला अफजाई भी की। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रसिद्ध पंडित लल्लन तिवारी ने भायंदर सत्ता की सफल यात्रा को देखते हुए संपादक राजदेव तिवारी की मेहनत और लगन की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।भायंदर सत्ता ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और अपने क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाली प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इनमें मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस के अंतर्गत आने वाले काशीमीरा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र कांबले, शिवसेना के उपजिला प्रमुख मुस्तफा वनारा, एनसीपी (अजित पवार गुट) मीरा भायंदर शहर के युवा

जिलाध्यक्ष जक्की आसिफ पटेल, भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष रतन शर्मा और मीरा भायंदर के भाजपा कार्यकर्ता पुरव झवेरी शामिल रहे।पूर्व राज्यमंत्री अमरजीत मिश्रा और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने इस अवसर पर भायंदर सत्ता की जमकर प्रशंसा की और भविष्य में इसकी निरंतर सफलता की शुभेच्छा व्यक्त की। प्रेम शुक्ल ने कहा, जिन्होंने लगातार प्रकाशित और संपादकीय कार्य को सुचारू रूप से किया, उनके लिए संपादक राजदेव तिवारी का विशेष अभिनंदन किया जाना चाहिए।

मेलोडी इंडिया के प्रकाश चौहान और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत गीत-संगीत के बीच इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भायंदर सत्ता के पाठक, शुभचिंतक और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्य बना दिया।

इनमें प्रमुख रूप से भारतीय सद्विचार मंच के संस्थापक राधेश्याम तिवारी,समाजसेवक दिनेश चंद उपाध्याय,मीरा भायंदर भाजपा जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा, पूर्व भाजपा नगरसेवक मुन्ना सिंह, पूर्व नगरसेवक संजय थेराडे, पूर्व नगरसेविका वंदना मंगेश पाटिल, भायंदर पूर्व के मंडल अध्यक्ष रथिन दत्ता, पूर्व नगरसेविका नीला सोंस,पूर्व नगरसेवक विजय राय, पूर्व विरोधी पक्ष नेता धनेश पाटिल, भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडे, भाजपा जिला सचिव एस. पी. मौर्या, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडेय, अधिवक्ता राजेश मिश्रा, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह, जिला महामंत्री संदीप तिवारी, पूर्व नगरसेवक चंद्रकांत मोदी,पूर्व नगरसेविका हेतल परमार,पूर्व नगरसेविका हेमा राजेश बेलानी, भाजपा नेता शंकर वीरकर, एड. राजकुमार मिश्रा, भाजपा बिहार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष फूल कुमार झा और डॉ. सुरेश येवले उपस्थित रहे।होली मिलन समारोह के पश्चात अतिथियों के लिए लिट्टी-चोखा की विशेष व्यवस्था की गई, जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र पोरवाल ने किया।

कार्यक्रम के संयोजक संपादक राजदेव तिवारी, आयोजक राहुल ग्रुप के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी और सह-संयोजक शास्त्री सुरेश ओझा गुरुजी रहे।

लल्लन तिवारी ने की मानवाधिकार संरक्षण संगठन के कार्यों की सराहना

भाईंदर (उत्तरशक्ति)। मानवाधिकार संरक्षण संगठन महाराष्ट्र के तत्वाधान में होली मिलन समारोह, सम्मान समारोह तथा सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन 8 मार्च को शाम 4 बजे से मीरा रोड स्थित श्री मनोकामना सिद्धी मंदिर में किया गया किया गया। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानवाधिकार संरक्षण संगठन द्वारा समाज और राष्ट्र की भलाई की दिशा में महत्वपूर्ण काम किये जा रहे हैं। उन्होंने संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक पांडे (बाबा) की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे संदीप सिंह फौजी, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, संस्था के प्रदेश सचिव शैलेंद्र पांडे, राहुल शर्मा, पंकज शर्मा, कमलेश उपाध्याय, नागेश दीक्षित, अभिषेक दुबे, आशीष शर्मा, विनोद पांडे, मुकेश तिवारी, सुनील तिवारी दिलीप चौबे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। प्रख्यात लोक गायक मुकेश तिवारी के गाए गीतों का लोग देर रात तक आनंद उठाया।

ब्रह्माकुमारी की ओर से अंधेरी के लोखंडवाला में महिला दिवस का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व महिला दिवस का कार्यक्रम ब्रम्हाकुमारीज लोखंडवाला अंधेरी सेंटर पर धूमधाम से मनाया गया। ब्रम्हाकुमारीज के इस कार्यक्रम मे करीब 150 महिलाओ ने भाग लिया था । हर एक महिला के जीवन में कार्य की जवाबदारी बहुत अधिक होने के कारण कभी-कभी तनाव और अंदर की बेचैनी सताती है ,कभी-कभी आत्मविश्वास की कमी महसूस करने लगती है।

महिला दिवस के कार्यक्रम में सभी ने अपने अनुभवी वचनों द्वारा एक दृढ़ संकल्प लिया कि हम जो भी सोचेंगे वह अच्छे मूल्यों को ध्यान में रखते हुए जैसे की समझ अर्थात ज्ञान ,प्रेम ,शांति आनंद, स्थिरता ,आदि गुणों को आधार बनाकर अपने

विचारों को शक्तिशाली बनाएंगे, ताकि परिस्थितियों में तनाव कम महसूस हो ।हम अपनी नकारात्मक सोच को ध्यान देकर योग के अभ्यास द्वारा सकारात्मक अवश्य बनाएंगे। उपस्थित हुए महिलाओं ने यही सोच कविता और गीत के द्वारा , नृत्य के द्वारा ,अनुभव के द्वारा और मुख्य संचालिका बहन क्रीना जी ने प्रेजेंटेशन के द्वारा मेडिटेशन का महत्व और विधि समझाई। कई सदस्योने छोटा सा नाटक भी प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था 21 वी सदी की नारी कैसे अपनी कमजोरी से लड़ते हुए अपने को ताकतवर बनाकर ऊंची मंजिलों को पाने के लिए तत्पर है ।लास्ट में इस सभा में विशेष फिल्म और टीवी सीरियल के कई अनुभवी कलाकार उपस्थित थे जैसे श्रीमती अंजलि अरोरा, मीनू बंसल जी, मधु जी, श्री दीपा दे जी, । विशेष डां सुंदरी ठाकुर जो नारी सम्मान संस्थान की मुख्य संस्थापक और डायरेक्टर है उनका नारी के प्रति सेवाओं के लिए सम्मान किया गया। कार्यक्रम बहुत ही माहिती पूर्वक और आगे के लिए सफलतापूर्वक मार्ग का निर्देशन करने वाला रहा ।सभी महिलाओं को हमारी ओर से बहुत-बहुत उज्जवल भविष्य की बधाइयां हो।

मोटर साइकिल चोरी के चार मामलों का पर्दाफाश

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में मोटर साइकिल चोरी के बढ़ते मामलों को देखते हुवे कोलसेवाड़ी पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक बड़ा अभियान चलाते हुवे दो नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की चार मोटर साइकिलें बरामद की हैं, जिनकी कुल कीमत 1 लाख 12 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन की हद में लगातार बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। पुलिस ने इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश नह्यादे की टीम ने विशेष जांच अभियान चलाया। गश्त के दौरान कल्याण पूर्व में दो संदिग्ध युवक मोटर साइकिल पर जाते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोका और पूछताछ के दौरान उन्होंने चोरी की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एवेंजर बाइक, एक सुजुकी एक्सेस और होंडा एक्टिवा की दो स्कूटी बरामद की हैं। इस चोरी की घटना में लिप्त सभी आरोपी नाबालिग है । पुलिस सभी को सुधार गृह भेजने की तैयारी सुरु की है।

स्किलहब एजुकेशन की महिलाओं को उपहार देकर उनका सम्मान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। विश्व महिला दिवस हर जगह बड़े उत्साह से मनाया जाता है। इसी अवसर को ध्यान में रखते हुए स्किलहब डायरेक्टर अश्विनी शिंदे और आशीष शिंदे के मार्गदर्शन में स्किलहब एजुकेशन, कल्याण में विश्व महिला दिवस मनाया गया।

समाजिक जीवन में पुरुषों की तरह ही महिलाएँ भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं लेकिन, कई जगहों पर पुरुषों के समान अधिकार महिलाओं को नहीं दिए जाते। समाज के लिए महिलाओं के योगदान के महत्व को समझने और हर क्षेत्र में उन्हें समान अधिकार देने के उद्देश्य से दुनियाभर में 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया जाता है। इस

महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान

दिन विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया जाता है, उनके कार्यों की सराहना की जाती है। साथ ही, सभी महिलाओं को उनके अधिकारों और स्वतंत्रता का एहसास कराने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। नारीशक्ती के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही, स्किलहब एजुकेशन की महिलाओं को उपहार देकर उनका सम्मान किया गया।

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन व शिवतेज मित्र मंडल की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के प्रांगण में सावित्री बाई फुले की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक, केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष, शिवतेज मित्र मंडल अध्यक्ष, भाजपा नेता तुलसीराम केवट के अलावा अनेक लोगों ने सावित्री बाई फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। छायांकन : उत्तरशक्ति

औरंगजेब का गुणगान करने वाले अबू आजमी के बदले सुर, अब छत्रपति संभाजी महाराज को बताया पराक्रमी योद्धा

मुंबई। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी के बयान पर महाराष्ट्र की राजनीति में विवाद जारी है। हाल ही में औरंगजेब को लेकर उनके बयान पर बवाल मचा था। वहीं, छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि पर अबू आसिम आजमी द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि दिए जाने के बाद मामला और गरमाता जा रहा है। आज यानी 11 मार्च को छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि है। इतिहास में दर्ज है कि आज ही के दिन मुगल शासक औरंगजेब ने उनकी हत्या करवा दी थी।

अबू आसिम आजमी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करके संभाजी महाराज को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखाः ₹स्वराज्य के दूसरे छत्रपति, पराक्रमी योद्धा, धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।₹ हालांकि, कुछ दिनों पहले औरंगजेब को लेकर दिए गए उनके बयान के कारण अब उनकी श्रद्धांजलि भी संदेह और विवाद के घेरे में आ गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के एमएलसी भाई जगताप ने कहा कि यह अच्छी बात है। वे (छत्रपति संभाजी महाराज) एक महान योद्धा थे, वे इस भूमि के 'छावा' रहे हैं। उन्होंने सभी 126 लड़ाइयाँ जीतीं...हम इसका स्वागत करते हैं। यह सच्चाई है और हमारा इतिहास है और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। अबू आजमी ने हाल ही में एक बयान में औरंगजेब को एक अच्छा शासक बताया था। उन्होंने कहा ₹गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए। वह क्रूर शासक नहीं था। जब उसके सेनापति ने बनारस में एक पंडित की बेटी के साथ दुर्व्यवहार करने की कोशिश की, तो औरंगजेब ने उस सेनापति को दो हाथियों के बीच बांधकर मार डाला।

बाद में उन पंडितों ने औरंगजेब के लिए एक मस्जिद बनवाई और उसे भेंट की। वह एक अच्छा प्रशासक था और उसने जो किया वह सही था। अगर कोई और राजा होता, तो वह भी यही करता।₹ इसके अलावा उन्होंने यह भी दावा किया था कि औरंगजेब के शासन के दौरान भारत की जीडीपी 24% थी और देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रेन से कटकर मां ने बेटी संग दी जान

पारिवारिक कलह के चलते उठाया खौफनाक कदम

डॉ.इम्तियाज अहमद

मानीकलाँ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लपरी गांव निवासी 28 वर्षीय प्रेमशीला बिन्द ने मंगलवार को पूर्वाहन अपनी तीन वर्षीय बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी। जौनपुर शाहगंज रेल प्रखंड पर मानीकलां हाल्ट स्टेशन के पास मां बेटी की मौत की खबर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकलां निवासी रामधारी बिन्द की बेटी प्रेमशीला 28 वर्ष की शादी सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लपरी गांव निवासी सचिन बिन्द के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों का जीवन बड़े हंसी खुशी में चल रहा था। प्रेमशीला को तीन वर्षीय एक पुत्री भी थी। सचिन प्रदेश में रह कर रोजी-रोटी कमाता था। एक सप्ताह पूर्व वह गांव आया था। पुलिस का कहना है कि पति-पत्नी में बीती रात किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घर के लोगों ने दोनों को समझा कर बात खत्म करा दिया था। मंगलवार की सुबह प्रेमशीला अपनी तीन वर्षीय बेटी रंजना कुमारी को लेकर मानीकलां मायके जाने की बात कह कर घर से निकली। लेकिन वह गांव न जाकर मानीकलां हाल्ट स्टेशन व भुड़कुड़हां गेट नम्बर 51 सी के पास जौनपुर की ओर से अयोध्या जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सामने बेटी को लेकर कूद गई और जान दे दी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से वहां खेत में काम कर रहे ग्रामीणों की भीड़ लग गई। लोगों ने फौरन इस मामले की सूचना यूपी डायल 112 व राजकीय रेलवे पुलिस शाहगंज को दी। खेतासराय थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, वरिष्ठ उप निरीक्षक शैलेंद्र राय ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर छानबीन की। आधार कार्ड से महिला और उसके बच्चे की पहचान हुई। इस संबंध में खेतासराय थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के कारणों की छानबीन की जा रही है। मरते दम तक बनी रही बेटी के प्रति ममता खेतासराय।खेतासराय थाना क्षेत्र में मानीकलां हाल्ट स्टेशन के पास मंगलवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मां बेटी की मौत के मामले में अलग दर्द देखने को मिला है। प्रेमशीला अपनी तीन वर्षीय बेटी रंजना को कितना प्यार करती थी। बेटी की प्रति उसकी कितनी ममता थी। यह घटना के बाद खुद प्रत्यक्ष दर्शियों ने देखा तो हर कोई अचरज में था। मौत के बाद भी बेटी मां की गोद में दबी रही। दोनों के सिर में ही गंभीर चोट लगा था। शरीर के अन्य किसी हिस्से में चोट नहीं था। पुलिस का मानना है कि रेलवे लाइन पकड़ कर वह मानीकलां अपने मायके आ रही थी। पूर्वाहन 11 बजे के करीब वह असावधानी वश वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। यही कारण था कि हादसे के बाद भी वह अपनी बेटी को दोनों हाथों से कस कर पकड़े हुई थी। पुलिस का कहना है कि अगर आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे लाइन पर कूदती तो शरीर के कई टुकड़े हो सकते थे। फिलहाल घटना पर पड़े रहस्यों का पर्दा अब तो पुलिसिया जांच के बाद ही खुलासा होगा।

ओयो होटल पर मजिस्ट्रेट ने मारा छापा, चार युवक और चार युवती पकड़ाए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के सुजानगंज रोड पर स्थित एक होटल पर नायब तहसीलदार ने छापा मारकर होटल में मौजूद चार लड़के और लड़कियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने होटल संचालक को भी गिरफ्तार कर लिया है।दोपहर दो बजे नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव अपनी टीम के साथ अचानक छापेमारी कर दी। छापेमारी की सूचना पर होटल में अफरा तफरी मच गई। कुछ देर में ही थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र भी पुलिस बल के साथ होटल में पहुंच गए। कमरों की तलाशी ली गई तो चार लड़के और चार लड़कियां अलग अलग कमरों में मौजूद थे। सभी की आईडी अलग अलग पतों पर थी माना यह जा रहा है कि चारों अनैतिक कार्य में लिप्त थे। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। छापेमारी की सूचना मिलते ही भारी भीड़ इकट्ठी हो गई। पुलिस सभी को थाने ले आई और उनके परिजनों को जानकारी दी गई। होटल संचालक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बाबत पूछे जाने पर थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र ने छापेमारी की घटना को तो स्वीकार किया लेकिन कोई अन्य जानकारी देने में आनाकानी करते नजर आए। छापेमारी के दौरान सबसे उपरी तल पर एक युवक और युवती छिपे थे। पुलिस के जाने के बाद वह दुपट्टा और अन्य कपड़ों के सहारे होटल के पिछले हिस्से से नीचे उतरकर फरार हो गये। इस बाबत नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि चारों लड़के और लड़कियों के परिजनों को कड़ी हिदायत के बाद उनके सुपुर्द कर दिया गया है। होटल संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

यात्रा में शामिल विद्यार्थियों के अनुभवों का होगा संकलनः कुलपति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए कुलपति सभागार में सोमवार को कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की प्रगति एवं समीक्षा बैठक हुई। बैठक में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने पढे जौनपुर, बढे जौनपुर एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम के सफलता पर समिति के सदस्यों एवं पर्यवेक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों को एक साथ मिलकर सफलतापूर्वक संपन्न कराया है। उन्होंने कहा कि विभागों में सफाई अभियान के लिए महीने का एक दिन निर्धारित किया जाएगा और सभी शिक्षक, अधिकारी स्वयंसेवक की भांति अपने कक्ष की सफाई करेंगे। कहा कि गोद लिए गए गांव में भाषण प्रतियोगिता में भाग लिए विद्यार्थियों से भाषण करवाए जाएंगे जिससे वहां के बच्चे कौशल सीख सकें। इसके साथ उन्होंने विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया की ऐसे विद्यार्थियों को चिन्हित करे जो कुशल वक्ता है उनके कौशल को और निखारा जायेगा. उन्होंने कहा कि राजभवन के दिशा निर्देश के क्रम में विद्यार्थियों के समूह द्वारा 150 किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली जाएगी जो गोद लिए गांव तथा ऐतिहासिक स्थलों पर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि साइकिल यात्रा के दौरान विद्यार्थियों के अनुभवों का संकलन किया जाएगा और उसकी पुस्तक के एक रूप में विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित भी कराया जाएगा। विश्वविद्यालय ने इसके लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक प्रोफेसर राकेश कुमार यादव को नोडल अधिकारी एवं डॉ. अनुराग मिश्रा को सह नोडल अधिकारी नामित किया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने विश्वविद्यालय में हुए पढ़े जौनपुर, बढ़े जौनपुर एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को बधाई दी एवं पुष्प वितरित कर होली की शुभकामनाएं दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव एवं डॉ. अजीत प्रताप सिंह, डॉ. संजीव गंगवार, कर्मचारी संघ के महामंत्री रमेश यादव, डॉ प्रमोद कुमार कौशिक समेत अन्य शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

चुनाव आयोग ने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए किया आमंत्रित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चुनाव आयोग ने कानूनी ढांचे के भीतर चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। भारत के चुनाव आयोग ने सभी राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल 2025 तक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी या मुख्य निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दे के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। आज राजनीतिक दलों को जारी एक व्यक्तिगत पत्र में आयोग ने स्थापित कानून के अनुसार चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर पार्टी अध्यक्षों और पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत की भी परिकल्पना की है। इससे पहले पिछले सप्ताह भारत निर्वाचन आयोग के सम्मेलन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने सभी राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को राजनीतिक दलों के साथ नियमित बातचीत करने ऐसी बैठकों में प्राप्त सुझावों को पहले से मौजूद कानूनी ढांचे के भीतर सख्ती से हल करने और 31 मार्च 2025 तक आयोग को कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का भी आग्रह किया।राजनीतिक दल संविधान और चुनावी प्रक्रियाओं के सभी पहलुओं को कवर करने वाले वैधानिक ढांचे के अनुसार आयोग द्वारा पहचाने गए 28 हितधारकों में से एक प्रमुख हितधारक हैं। राजनीतिक दलों को लिखे अपने पत्र में आयोग ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951 मतदाताओं का पंजीकरण नियम 1960 चुनाव संचालन नियम, 1961 माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और भारत के चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों मैनुअल और पुस्तिकाओं ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेन्द्रीकृत मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है।

खाद्य पदार्थों के लिये गये 7 नमूने, 2 को नोटिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन के क्रम में आगामी होली एवं रमजान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थो के भण्डारण/विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा किये जा रहे प्रवर्तन कार्यवाही के क्रम में 11 मार्च 2025 को सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय के नेतृत्व में खाद्य सचल दल में सम्मिलित खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण बिपिन कुमार गिरि, विनोद कुमार यादव, मनोज कुमार वर्मा एवं श्रीमती अपराजिता तिवारी द्वारा जनपद के विभिन्न बाजारों में कार्यवाही करते हुए कुल 15 खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। खाद्य सचल दल द्वारा 11 मार्च 2025 को प्रवर्तन कार्यवाही के अन्तर्गत कलीचाबाद से खाद्य पदार्थ नमकीन का 01 नमूना एवं रस्क का 01 नमूना, कलिंजरा मोड निषाद नगर से खाद्य पदार्थ पेड़ा का 01 नमूना, तेजी बाजार से खाद्य पदार्थ बूंदी लड्डू का 01 नमूना, राजाबाजार से खाद्य पदार्थ खोया का 01 नमूना तथा पनीर का 01 नमूना एवं रामनगर से खाद्य पदार्थ खोया का 01 नमूना संग्रहीत किया गया। इस प्रकार 11 मार्च 2025 को जनपद के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल-07 नमूना जनहित में जांच हेतु संग्रहीत किये गये साथ ही 02 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस दिया गया।

जौनपुर महोत्सव में नहीं गूंजेगी 'इ जौनपुर हुजूर, सबसे निराला' की धुन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव बीते 10 मार्च से शुरू हो गया है जिसका समापन 12 मार्च होगा। महोत्सव को लेकर सामाजिक संदेश देने के उद्देश्य से जहां शासन द्वारा सरकारी धन जारी किया गया, वहीं प्रशासन भी पूरी मुस्तैदी से लगा हुआ है। धरातल पर तो कम मगर सोशल मीडिया के माध्यम से इसका प्रचार–प्रसार भी खूब तेजी से किया गया है लेकिन शासन के मंशानुरूप होने वाले इस महोत्सव पर कुछ धब्बे भी लगते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि जौनपुर महोत्सव में जहां स्थानीय कलाकारों से लेकर बाहरी तक को भी आमंत्रित किया गया है। वहीं इस बार के महोत्सव में कुछ ऐसे प्रश्न खड़े हो गये हैं जो आने वाले दिनों में इतिहास बनने जा रहे हैं। जी हां, भले ही जौनपुर महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आमंत्रित किया गया हो लेकिन जौनपुर के इतिहास से सम्बन्धित गीत 'इ जौनपुर हुजूर, सबसे निराला' की गूंज नहीं सुनायी देगी, क्योंकि इस गीत के गायक 'रविन्द्र सिंह ज्योति' को आमंत्रित ही नहीं किया गया है।

बताते चलें कि लोक एवं देवी गीत गायक श्री ज्योति जौनपुर ही नहीं, बल्कि पूर्वांचल के बाहर प्रदेश सहित देश के तमाम प्रान्तों में जौनपुर का मस्तक ऊंचा किये हैं। श्री सिंह ने 'इ जौनपुर हुजूर, सबसे निराला' नामक गीत के माध्यम से अपने जौनपुर को विश्व पटल पर एक अलग पहचान बना दिया है जिसके हर एक बोल में जौनपुर के इतिहास, धरोहर, आधुनिक सभ्यता को दशार्या गया है। आश्चर्य इस बात की है कि जौनपुर महोत्सव को लेकर जहां शासन–प्रशासन पूरी तरह से जौनपुर को प्रदेश स्तर पर लाने का प्रयास कर रहा है, वहीं जौनपुर के देश प्रसिद्ध गायक को नजरअंदाज किया गया है जो इस समय जौनपुर से बाहर जनपदों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जनपद के इतिहास पर गीत गाने वाले रविन्द्र ज्योति किये गये नजरअंदाज

रविन्द्र सिंह ज्योति ने क्या कहा

जौनपुर। जौनपुर महोत्सव में आमंत्रित न करने के बाबत पूछे जाने पर रविन्द्र सिंह ज्योति ने बताया कि उन्हें न किसी जिम्मेदार अधिकारी का फोन आया है और न ही महोत्सव से सम्बन्धित किसी से बात हुई है। यह बात अलग है कि जौनपुर महोत्सव के स्थानीय कलाकारों की सूची में मेरा नाम लिखा है। वह भी एक नहीं, बल्कि दो–दो जगह लिखा है। अब सवाल यह उठता है कि सूची में दो जगह नाम का क्या मतलब है? एक ही व्यक्ति का नाम दो जगह देने में सूची बनाने वाले की गलती है या उसका अवलोकन करने वाले की। फिलहाल बिना मेरी स्वीकृति के महोत्सव के स्थानीय कलाकारों की सूची में मेरा नाम दिया जाना गलत है।

सम्बन्धित से जानकारी का प्रयास रहा असफल

जौनपुर। इस बाबत जानकारी लेने के लिये कई सम्बन्धित लोगों से सम्पर्क करने का प्रयास असफल रहा।

पाक्सो एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में थाना केराकत पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0-67/25 धारा 137(2), 87, 64(1) बी0एन0एस0 व 5/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त आकाश पुत्र त्रिभुवन निवासी सरकी थाना केराकत जनपद जौनपुर को छितौना रेलवे क्रासिंग के पास से पुलिस हिरासत मे लिया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपी को नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा गया।

वाराणसी में 34 लाख का फ्रॉड करने वाले गिरोह का सरगना समेत दो गिरफ्तार

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में साइबर क्राइम थाना पुलिस की टीम ने अंतर्राज्यीय को पैन कार्ड में कुटरचित कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ऑनलाइन केवाईसी कराकर क्रेडिट कार्ड से 34 लाख का फ्रॉड करने वाले को सरगना समेत 02 को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 2 मोबाइल फोन आईफोन, 2 फोन एंड्राइड, 1 कंप्यूटर डेस्कटॉप सीपीयू, नगदी व रेंज रोवर कार आदि सामान बरामद किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह, निरीक्षक राजकिशोर पाण्डेय, निरीक्षक दीनानाथ यादव, एसएसआई श्याम लाल गुप्ता, हेड कांस्टेबल गोपाल चौहान, कांस्टेबल पृथ्वीराज सिंह, साइबर क्राइम थाना शामिल रहें। गिरफ्तार करने वाली टीम को 20 हजार रुपये के नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

सद्भावना पुल से शास्त्री पुल तक होगा सौंदर्यीकरण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के सदभावना सेतु से शास्त्री सेतु तक पर्यटन की दृष्टि से घाटों के निर्माण व सुंदरीकरण के कार्य के लिए खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव पिछले काफी दिनों से प्रयासरत थे। इस घाट के निर्माण लिए राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कई बार केद्रीय मंत्री व डिजी नमामि गंगे से मिलकर घाटों के सौंदर्यीकरण के लिए आग्रह किया था। उसी के क्रम में जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के अधिकारियों की टीम, निधि डंडोना (रीवर फ्रंट डेवलपमेंट एक्सपर्ट) एवं पंकज रावत (सपोर्ट इंजिनियर) जनपद में आकर खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार के साथ सद्भावना सेतु से शास्त्री सेतु तक स्थलीय निरीक्षण किया। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने संबंधित अधिकारियों से घाटों के सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये कहा कि अतिशीघ्र ही घाटों के सौंदर्यीकरण के कार्य की स्वीकृति मिल जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद पवन कुमार, यूपीपीसीएल के अभियंता अजय जी, श्याम मोहन अग्रवाल, मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, आशीष गुप्ता, सुनील यादव, बसन्त प्रजापति, पियूष सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

परिवहन बसों से जाम छुड़ाने में यातायात पुलिस हलाकान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के जेसीज चौराहे पर परिवहन निगम के वाहनों से लगातार जाम लगा रहता है जिससे यातायात में आम जनमानस हलकान होते है। इसकी शिकायत कई बार स्थानीय पुलिस अधिकारी एवं यातायात विभाग द्वारा एआरएम जौनपुर से की गयी कि रोडवेज से बसों को एक दो की संख्या में छोड़ी जाय जो जेसीज चौराहे से पहले तक ही अपने रूट की सवारी ले और चौराहे पर जाम न लगाते हुये आगे बढ़ते रहे। इससे जाम नहीं लगे और यातायात प्रभावित न हो परन्तु जौनपुर रोडवेज से उनके चालक परिचालकों पर कोई असर नहीं। इसके चलते आगे से यदि यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुये रोडवेज बस के चालक मिले तो उन पर कानूनी कार्यवाही हो सकती है। जाम को हटाने और यातायात प्रभावित होने पर सतीश सिंह निरीक्षक लाइन बाजार मय फोर्स और यातायात निरीक्षक सुनील तिवारी मय फोर्स लगे रहे।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट, पांच गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के पिंडरा गांव में जमीनी विवाद को लेकर मंगलवार की शाम को दो पक्ष आमने-सामने हो गए। दोनो पक्षों के लोग लाठी डंडे के साथ मारपीट पर आमादा हो गए। ऊक्त गांव निवासी विनोद कुमार व रन्नो देवी पत्नी असामी के बीच जमीन का पुराना विवाद चल रहा था। उसी जमीन पर निर्माण को लेकर को दोनों पक्ष से लाठी डंडे निकल गए। किसी द्वारा पुलिस को सूचना मिल गई तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों पक्ष के घनश्याम निषाद, विनोद कुमार, जीविता देवी, रन्नो देवी व पार्वती को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव ने बताया कि मामले में पांच लोगों को हिरासत में लेकर उनका चालान कर दिया गया है।

जौनपुर महोत्सव अन्तर्गत जनपद स्तरीय 'हमारा आंगन, हमारे बच्चे' कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में 'हमारा आंगन, हमारे बच्चे' कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग और बाल विकास विभाग के समन्वय से शाही किला में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और निपुण भारत मिशन के दिशा-निर्देशों के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान, जनपद के सभी ब्लाक से विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर आधारित कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिनमें उनके आत्मविश्वास और कला का बेहतरीन प्रदर्शन हुआ। नन्हें-मुन्हें बच्चों के इन मनमोहक प्रदर्शन ने उपस्थित सभी दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में निपुण भारत मिशन की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने आज अपनी प्रस्तुति से कान्वेंट विद्यालयों को भी मात दी है। इस अवसर पर वरिष्ठ खंड शिक्षा अधिकारी उदयभान कुशवाहा ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाएं बच्चों के अधिगम स्तर और आत्मविश्वास में सकारात्मक वृद्धि का कारण बन रही हैं। कार्यक्रम का संचालन खंड शिक्षा अधिकारी महराजगंज, रमेश चन्द्र पटेल के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में बालवाटिका के नोडल शिक्षकों, निपुण बच्चों और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में समस्त विकास खंडों के खंड शिक्षा अधिकारी, एस आरजी कमलेश यादव और अजय मौर्य, कार्यक्रम की व्यवस्था में सहयोग देने वाले नामित एआरपी व शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षिकाओं, नन्हें बच्चों, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आयोजन ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा और समर्पण को उजागर किया।

मरूधर एक्सप्रेस का ब्रेक बैण्ड, निकली चिनगारी

जफराबाद ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जोधपुर से चलकर वाराणसी को जाने वाली मरूधर एक्स प्रेस ट्रेन में अफरा तफरी मच गयी जब ट्रेन की एक बोगी के लोगों ने ट्रेन के पहिये से आग की चिनगारी और धुएं लिये लपटें दिखाई दी। यात्रियों द्वारा शोरगुल मचाने पर ट्रेन के गार्ड को किसी अनहोनी की आशंका के ट्रेन को रूकवा दिया। दरअसल ट्रेन संख्या 14854 मरूधर एक्सप्रेस जौनपुर जंक्शन से वाराणसी के लिये मंगलवार की सुबह 8 बजकर 27 मिनट पर निकली जैसे ही वह सिटी स्टेशन को जाने वाली ट्रैक को मोड के पास पहुंची ही थी कि उसके बोगी संख्या 202617 के पहिये से तेज धुएं के गुबार उठने लगे। जिसे देख उस बोगी के यात्रियों में अफरा तफरी मच गयी। यात्रियों के शोरगुल को देख गार्ड ने किसी अनहोनी की आशंका पर ट्रेन को रूकवा दिया और देर न करते हुए अग्निशमन यंत्र का उपयोग करते हुए आग बुझायी और पहिये को ठण्डा किया। सतर्कता की दृष्टि से ट्रेन को हल्की रफ्तार से जंक्शन पर लाया गया। वहा गार्ड द्वारा बैण्ड हो चुके ब्रेक को रिलीज करने के बाद पूर्ण रूप से संतुष्ट होने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। इस दौरान मरूधर ट्रेन को समय से निकालने के लिये एक मालगाड़ी को आउटर पर रोक दिया गया था। स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि इस घटना के चलते कोई पैसेन्जर या एक्सप्रेस ट्रेने तो प्रभावित नही हुई एक मालगाड़ी को 30 मिनट के लिये आउटर पर खड़ा किया गया था।

जौनपुर महोत्सव में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर आईजी ने अधिकारियों के साथ किया ब्रीफिंग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आईजी वाराणसी मंडल मोहित गुप्ता द्वारा जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ की उपस्थिति में 12 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री के जनपद आगमन पर शाही किला में आयोजित जौनपुर महोत्सव को लेकर प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारियों के साथ ब्रीफिंग किया गया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था, अधिकारियों की ड्यूटी, पुलिस कर्मियों की ड्यूटी, यातायात व्यवस्था आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारीगण डयूटी के दौरान आईडी कार्ड अवश्य लगा कर रखें। निर्धारित ड्रेस कोड में उपस्थित रहकर अपने कर्तव्यो का निर्वाहन करें। जौनपुर महोत्सव के दौरान प्रस्तावित 1001 जोड़ों के सामूहिक विवाह के संबंध में मंडप व्यवस्था आदि का निरीक्षण करते हुए विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल की भी तैयारी का जायजा लिया।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर,अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 रामअक्षयबर चौहान,अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आल इंडिया आइडियल जनरलिस्ट एसोसिएशन ने जज सिंह अन्ना को भारत का क्रांतिवीर उपाधि से किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऑल इंडिया आइडल जनरलिस्ट एसोसिएशन के 24वां स्थापना दिवस पर जौनपुर के केंद्रीय कार्यालय में जौनपुर जिले के सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना को भारत का क्रांतिवीर पद से सम्मानित किया गया । प्रशस्ति पत्र, मेडल, अंग वस्त्र ,डायरी, कैलेंडर, सहित बीसों मालाओं से अन्ना का स्वागत किया गया वहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका लालजी टंडन जी, डा सी डी सिंह की अध्यक्षता में आइडियल इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद वाचस्पति जी सहित सैकड़ो अतिथि और पत्रकार सब ने जज सिंह अन्ना की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए तालिया से स्वागत किया, इस कार्यक्रम में आए हुए सभी जौनपुर आजमगढ़ के अतिथियों को चुन चुन कर स्वागत किया गया। स्वागत हुए अतिथि आद्या प्रसाद सिंह, संजय कुमार पांडे, अंसार अहमद, इंद्रमन, रामसमुझ यादव, सुधाकर शुक्ला, कौशलेंद्र गिरी, प्रशांत विक्रम सिंह ,डॉक्टर अंगद कुमार, अनिल कुमार रामचंद्र नागर, अनिल कुमार गौतम, राजकमल मिश्र जुबैद अहमद रविकांत, डॉ बृजेश कुमार यदुवंशी विद्याधर राम विद्यार्थी, मार्कंडेय तिवारी शैलेश तिवारी, अवधेश मिश्रा, संजय अस्थाना, डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह आदि वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे।

पत्रकार की हत्या के विरोध में बदलापुर पत्रकार संघ ने दिया ज्ञापन

जौनपुर। सीतापुर में हुई पत्रकार की निर्मम हत्या के विरोध में बदलापुर पत्रकार संघ अध्यक्ष के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर उन्हें मृत्युदंड दिलाए जाने और पत्रकारों की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठाने की मांग की गई। जनपद सीतापुर के तहसील महोली क्षेत्र में बीते शनिवार को पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की गोलियों से भूनकर दिन दहाड़े कर दी गई थी, जिससे देश व प्रदेश भर के पत्रकारों में रोष व्याप्त है। सोमवार को हत्याकांड को लेकर जौनपुर पत्रकार संघ की बदलापुर इकाई के अध्यक्ष अर्जुन शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार विजेंद्र सिंह को सौंपते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी कर फास्ट ट्रेक कोर्ट में मामले की सुनवाई कर हत्यारों को सजाए मौत दिलाई जाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा कि पत्रकारों पर हो रहे हमले और उनकी हत्याओं जैसे जघन्य अपराधों पर अकुंश लगाया जाए और पत्रकारों को उनकी सुरक्षा के लिए आसान प्रणाली के तहत शस्त लाइसेंस दिलाए जाएं। इसके अलावा मृतक पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई के परिवार को उचित मुआवजा दिलाया जाए, साथ ही उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी दिलाई जाने की भी मांग की गई है। इस दौरान अर्जुन शर्मा, ओंकार नाथ मिश्रा ,अभिनय सिंह , अखिलेश यादव, शशि कुमार, कुलदीप विश्वकर्मा, राजकमल मिश्र, ओमप्रकाश सेठ, अरविंद कुमार मिश्र ,सत्यम देवेश, भ्रमर यादव, सुधीर सिंह, डॉ. संजय यादव, अखंड सिंह,अंकज गुफ्ता रामनाथ,पंकज बिंद, प्रशांत तिवारी , राजकमल शर्मा, बी पुष्कर सहित भारी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

कमरे में इस हाल में मिले पति-पत्नी के शव

गाजियाबाद (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के कविनगर क्षेत्र स्थित महिंद्रा एन्क्लेव में दंपती ने सोमवार की रात फांसी लगाकर जान दे दी। आसपास के लोगों को घटना की जानकारी शाम करीब चार बजे लगी। पुलिस के मुताबिक, मृतक पीयूष (24 वर्ष) और उसकी पत्नी निशा (18 वर्ष) के शव एक ही फंदे से लटके हुए मिले हैं। पीयूष मूल रूप से फरुर्खाबाद के अलापुर गांव का रहने वाला था। पीयूष मजदूरी करता था और कई दिनों से काम पर भी नहीं जा रहा था। पार्षद अमित कुमार ने बताया कि दंपती 18 फरवरी को ही रहने आया था। पड़ोसियों ने कल रात करीब साढ़े 10 बजे उन्हें देखा था लेकिन उसके बाद दोनों बाहर नहीं निकले। आज दोपहर तक जब दोनों बाहर नहीं निकले तब पड़ोसियों ने कमरे में दरवाजे के रोशनदान से झांककर देखा। अंदर दोनों लटके हुए दिखे। अंदर दोनों के शव एक ही दुपट्टे से लोहे के गार्डर पर लटके मिले। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर आई पुलिस ने दोनों के शव नीचे उतारे हैं। जानकारी मिली है कि पीयूष के पास से पुलिस को करीब 31 हजार रुपये और एक पाजेब भी मिली है। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें दोनों ने घरवालों की मर्जी के खिलाफ शादी करने का जिक्र किया है। अपनी मौत के लिए दोनों ने किसी को जिम्मेदार नहीं बताया है।

रणदीप हुड्डा का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन जाट में रणतुंगा बनकर मचाएंगे तहलका

पटना। बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'जाट' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है, क्योंकि मेकर्स ने हाल ही में रणदीप हुड्डा के किरदार 'रणतुंगा' का खुलासा किया है। 20 सेकंड के इस स्पेशल वीडियो में रणदीप हुड्डा को बेहद दमदार अंदाज में दिखाया गया है, जो फिल्म में जाट के सबसे बड़े दुश्मन की भूमिका निभा रहे हैं। इस वीडियो के सामने आते ही फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले जारी किए गए टीजर ने पहले ही फिल्म के एक्शन और कहानी की झलक दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया था। अब रणदीप हुड्डा के किरदार की एंट्री ने दर्शकों को और भी ज्यादा उत्साहित कर दिया है। अपनी अलग और दमदार भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले रणदीप हुड्डा इस बार एक खतरनाक विलेन के रूप में सभी को चौंकाने के लिए तैयार हैं। गोपिचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित इस धमाकेदार फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि रणदीप हुड्डा के साथ विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी ने किया है, जो पहले भी कई बेहतरीन फिल्में दे चुके हैं। फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे, जिन्हें अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने कोरियोग्राफ किया है। वहीं, फिल्म का जोशीला संगीत थमन एस ने तैयार किया है, जबकि ऋषि पंजाबी की शानदार सिनेमैटोग्राफी इसे और भव्य बनाती है। नवीन नूली के बेहतरीन एडिटिंग और अविनाश कोल्ला के प्रोडक्शन डिजाइन ने फिल्म को और भी भव्य रूप दिया है। 'जाट' 10 अप्रैल 2025 को भारत और विदेशों में एक साथ रिलीज होने जा रही है। दमदार एक्शन, शानदार स्टारकास्ट और रोमांचक कहानी के साथ यह फिल्म दर्शकों को एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

होली पर यह आठ घंटे बंद रहेगी मेट्रो

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान (लखनऊ चिड़ियाघर) होली के अवसर पर दो दिन 13 व 14 मार्च को पूर्णतः बंद रहेगा। प्राणि उद्यान की निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि होली के बाद 15 मार्च से चिड़ियाघर फिर अपने नियमित समय पर आम जनता के लिए खोला जाएगा। चिड़ियाघर प्रशासन ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथियों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। होली पर रंग को देखते हुए 14 मार्च को मेट्रो सेवा दोपहर तक बंद रहेगी। मेट्रो का संचालन दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा और रोज की तरह रात 10:30 बजे तक चलेगा। सामान्य दिनों में संचालन सुबह छह से रात साढ़े दस बजे तक होता है। ये सूचना मेट्रो प्रबंधन की ओर से मंगलवार को जारी की गई है। होली 14 मार्च को है, मगर शहर में धमाल शुरू हो चुका है। त्योहार को लेकर मस्ती ऐसी है कि अभी से कई जगह रंग-गुलाल बरसने लगे हैं। 14 मार्च को यह खुमारी और चढ़ेगी। अपार्टमेंट, पार्क से लेकर मंदिर तक भी इसके लिए तैयार हो चुके हैं। आईए हम आपको बताते हैं कि शहर में कहां किस तरीके हो रही होली की तैयारी।

म्यांमार से छुड़ाए गए ठगी के शिकार 283 भारतीय नागरिक

नई दिल्ली/मुंबई। म्यांमार में फंसे उन 283 भारतीय नागरिकों को छुड़ाकर भारत वापस लाया गया है, जिन्हें आकर्षक नौकरियों का लालच देकर साइबर अपराध करने के लिए मजबूर किया गया था। म्यांमार में ऑनलाइन धोखाधड़ी सेंटर्स से रिहा किए गए भारतीयों को सोमवार को थाईलैंड होते हुए भारत लाया गया। म्यांमार और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने स्थानीय सुरक्षा बलों की मदद से इस निकासी में मदद की। भारतीय वायुसेना के विमान में थाईलैंड के माई सोत से वापस लाए गए लोग तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों से हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ह्यह्यभारत सरकार म्यांमार सहित विभिन्न दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में फर्जी नौकरी की पेशकश के साथ बहकाए गए भारतीय नागरिकों की रिहाई और स्वदेश वापसी के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इन व्यक्तियों को बाद में म्यांमार-थाईलैंड सीमा के साथ क्षेत्रों में संचालित घोटाला सेंटर्स में साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। मंत्रालय ने कहा, ह्यह्यभारत सरकार ऐसे रैकेट के बारे में समय-समय पर सलाह और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से पहले भी प्रसारित की गई अपनी चेतावनी को दोहराना चाहती है। भारतीय नागरिकों को एक बार फिर सलाह दी जाती है कि वे विदेश में मिशनों के माध्यम से विदेशी नियोक्ताओं की साख को सत्यापित करें और नौकरी की पेशकश स्वीकार करने से पहले भर्ती एजेंटों और कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करें। गौरतलब है कि विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावासों के सहयोग से पिछले तीन महीनों के दौरान म्यांमार सहित कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में आकर्षक नौकरी के लालच में जालसाजों के चंगुल में फंसे सैकड़ों भारतीयों की घर वापसी सुनिश्चित की गई है।

होली पर बच्चों के कोमल अंगों को सुरक्षित रखने के लिए विशेषज्ञों की सलाह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रंगों का त्यौहार होली सभी को आनंदित करता है। बच्चों को विशेषतौर से रंग मिले पानी की बौछारें दोस्तों तथा परिवार के साथ होली खेलना अधिक भाता है। हालांकि इस मौज-मस्ती के बीच होली को सुरक्षित तरीके से मनाना भी महत्वपूर्ण होता है। होली खेलने के दौरान बच्चे अक्सर लंबे समय तक धूप में रहते हैं, उनके कपड़े रंगों से सराबोर होते हैं और इस कारण उन्हें त्वचा, बालों तथा आँखों की विभिन्न समस्याएं हो सकती हैं। पानी में मिले कठोर सिंथेटिक रंगों में लंबे समय तक रहने से दाग-धब्बे, खुजली और संक्रमण भी हो सकते हैं। सिंथेटिक रंगों में ऐसे रसायन होते हैं, जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को हटा सकते हैं। होली के बाद अक्सर बाल रूखे और छल्लेदार हो जाते हैं, त्वचा खुजलीदार और लाल हो जाती है तथा आँखों में जलन होती है। लंबे समय तक रंग लगा रहने से सिर की त्वचा को नुकसान हो सकता है, जिससे डैंड्रफ, रूखापन और बाल झड़ने की समस्या हो सकती है। इस अवसर पर बच्चों के लिए होली पर अपनी सलाह जारी करते हुए,नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई के डॉ. नेहल शाह, कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक मेडिसिन, कहते हैं कि बच्चे विशेषकर होली से पहले त्वचा को अच्छी तरह से मॉइश्चराइज करें, बच्चे की त्वचा पर नारियल, बादाम या जैतून का तेल लगाएँ। इसके अलावा, कोई अच्छा मॉइश्चराइजर भी लगा सकते हैं। इससे त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत बन जाएगी और रंगों का सीधा असर नहीं होगा। प्राकृतिक और हर्बल रंगों का इस्तेमाल करें, सिंथेटिक रंगों की जगह प्राकृतिक, हर्बल या ऑर्गेनिक रंगों का चुनाव करें। ये रंग पौधों के अर्क से बनाए जाते हैं और त्वचा, बालों और आँखों के लिए अधिक सुरक्षित होते हैं। इसके अलावा बालों में तेल लगाएँ, सही कपड़े पहनें बच्चों को पूरी बाजू की शर्ट और लंबी पैंट पहनाएँ ताकि उनकी त्वचा कम खुले और रंगों का असर कम हो। आँखों को सुरक्षित रखने के लिए सनग्लासेस पहनाएँ।नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई के डॉ. नेहल शाह, कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक मेडिसिन, कहते हैं कि कुछ सावधानियां और आसान सुझावों को अपनाने से बच्चे बिना किसी परेशानी के होली का पूरा आनंद उठा सकते हैं। बच्चे कठोर और गीले रंगों से बचें,गीले सिंथेटिक रंग त्वचा में गहराई तक जाकर खुजली और जलन पैदा कर सकते हैं।

स्प्लिट फ्यूल कार ने मुंबई में जियो-बीपी पर हाई-परफॉर्मेंस ईंधनों का प्रदर्शन किया

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और वैश्विक ऊर्जा कंपनी बीपी के संयुक्त उद्यम जियो-बीपी ने 11 मार्च 2025 को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर, बीकेसी में अपनी इनोवेटिव स्प्लिट फ्यूल कार का प्रदर्शन किया। स्प्लिट फ्यूल कार ने यह अनूठा अवसर दिया कि जियो-बीपी के हाई-परफॉर्मेंस ईंधन किस तरह इंजन के प्रदर्शन को बेहतर बनाते हैं, माइलेज बढ़ाते हैं और महत्वपूर्ण इंजन घटकों को साफ रखते हैं, जिससे ड्राइविंग का अनुभव अधिक कुशल और दीर्घकालिक हो जाता है। स्प्लिट फ्यूल कार में दो ईंधन टैंकों को स्पष्ट रूप से विभाजित किया गया है, जो वाहन के 6-सिलेंडर इंजन के अलग-अलग हिस्सों को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह जियो-बीपी के अउळक्श्ए ईॅल्लङ्म'ङ्म८ (ऐक्टिव टेक्नोलॉजी) युक्त हाई-परफॉर्मेंस पेट्रोल और साधारण पेट्रोल के भिन्न संचालन को दर्शाने वाला एक पारदर्शी प्रदर्शन है। बोरोस्कोप इमेजिंग (जो चिकित्सा क्षेत्र में मानव शरीर के अंदर देखने के लिए उपयोग की जाती है) के जरिए यह कार दिखाती है कि साधारण पेट्रोल के इस्तेमाल से महत्वपूर्ण इंजन घटकों पर अधिक जमा बनते हैं, जिससे ईंधन की दक्षता अनिवार्य रूप से घट जाती है। चूंकि इंजन एक ही कार में समान परिस्थितियों में चल रहा है, यह ऐक्टिव टेक्नोलॉजी युक्त हाई-परफॉर्मेंस फ्यूल के लाभों का स्पष्ट प्रमाण है। जियो-बीपी का ऐक्टिव टेक्नोलॉजी युक्त डीजल माइलेज में 4.3% तक की वृद्धि प्रदान करता है, जबकि ऐक्टिव टेक्नोलॉजी वाला पेट्रोल इंजन के महत्वपूर्ण हिस्सों को 10 गुना तक अधिक साफ रखने में मदद करता है*। जियो-बीपी के हाई-परफॉर्मेंस ईंधन सभी प्रकार के वाणिज्यिक और निजी वाहनों के साथ-साथ गैर-परिवहन क्षेत्रों में भी प्रभावी रूप से काम करते हैं, जिससे इंजन के हिस्सों में गंदगी जमा होने से होने वाले घिसाव, ईंधन दक्षता की हानि और सर्विसिंग जरूरतों को कम करने में मदद मिलती है। ये हाई-परफॉर्मेंस ईंधन जियो-बीपी के 1,875 से अधिक मोबिलिटी स्टेशनों पर ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के उपलब्ध कराए जाते हैं।

जो खेलेगा-वो खिलेगा : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

सुरेश गांधी

वाराणसी। सूबे की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को बड़ालालपुर स्थित डॉ भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल में आयोजित जनपद स्तरीय पीएमश्री वार्षिकोत्सव खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जो खेलेगा, वहीं खिलेगा। उन्होंने मोटापा के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा, खाने के तेल के उपयोग को दस प्रतिशत तक कम करने पर इसे काबू में किया जा सकता है। उन्होंने सभी को टीम वर्क की भावना से कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे आगे चलकर हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं। खेल की दुनिया में भी हम नये नवाचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर खेल की दुनिया में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या को उस अनुरूप ढालना होगा तभी आप जीवन में आगे निकल सकते हैं। उन्होंने अपने बचपन को याद करते हुए कहा कि वो भी 100, 200, 400 तथा 800 मीटर दौड़ में अव्वल रही हैं। प्राईमरी शिक्षा में बच्चियों के मेडिकल चेकअप को बढावा देने को लगातार अभियान चलाने हेतु जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया। समारोह में विधान परिषद धर्मेंद्र सिंह, हंसराज विश्वकर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल, विधायक सुनील पटेल, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ अरविन्द पाठक सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राएं, अध्यापक, कोच आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान कंपोजिट विद्यालय पिंडरा, द्वितीय स्थान कंपोजिट विद्यालय सेवापुरी तथा तृतीय स्थान कंपोजिट विद्यालय सारनाथ को मिला। 100 मीटर रेस में पुरुष वर्ग में शुभम पटेल को प्रथम तथा महिला कटेगरी में सील यादव को प्रथम स्थान मिला। श्रीमती परमा विश्वास को मिशन शक्ति की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया है।

रंगभरी एकादशी का समापन, रंग-तरंग की मस्ती में डूबी भोले की नगरी काशी

मशाने में अड़भंगी भक्तों ने खेली चिता भस्म की होली

सुरेश गांधी

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ समेत तमाम देवताओ संग होली खेलने के बाद मंगलवार को बाबा के अड़भंगी भक्तों ने चिता की राख से महा श्मसान पर होली की खेली। इस दौरान शंखनाथ, ढोल नगाड़ों गूंज के बीच भक्तों ने पहले महाश्मशान नाथ बाबा की आरती उतारी। इसके बाद तरह तरह के व्यंजनों का भोग लगाया गया। इस दौरान हर तरफ बाबा की जयकारे गूंज रहे थे। इस तरह रंगभरी एकादशी के समापन के साथ ही पूरी काशी होली के रंग-तरंग में डूब गयी है। एक-दुसरे पर अबीर-गुलाल उड़ेले जा रहे है। सालों से चली आ रही परंपरा के तहत एकबार फिर मणिकर्णिका महाश्मशान पर होली का अद्धुत नजारा लोगों के लिए यादगार बन गया। एक तरफ चिताएं धधकती रहीं तो दूसरी ओर बुझी चिताओं की भस्म से अड़भंगी शिव की काशी के अड़भंगी भक्तों ने चिता भस्म की होली खेली। साधु-संत हो या कोई और सबके सब चीताओं की राख से होली खेलने में रमे रहे। ढोल, मजीरे और डमरुओं की थाप के बीच भक्तगण जमकर झूमे और हर हर महादेव के उद्घोष से महाश्मशान गूंजता रहा। खास यह रहा जब सितार की झंकार के बीच ह्यहोरी खेलें मसाने में...ह्य के बोल पर होरी गूंजी तो चाहे वह शव संग आएं परिजन हो या खाटी बनरसिएं थिरकने से खुद को नहीं रोक सके। दुनिया के कई देशों के पर्यटक भी चिता की भस्म से होली खेलने के उन क्षणों के साक्षी बने। बता दें, सबसे पहले धुनी रमाए नागा साधु मसान घाट पर पहुंचे। उनके ऊपर राख डालकर लोगों ने हाथ जोड़कर प्रणाम किया। इसके बाद परंपरा के अनुसार महाश्मसाननाथ श्रृंगार किया गया और आरती उतारी गई। काशी के लोटंडी चिताओं की भस्म के साथ भभूत उड़ाई जाने लगी। साथ में कुछ युवक अबीर और गुलाल की भी बौछार घाटों से करने लगे। इसके साथ ही शुरू हुई अनूठी होली जो देसी-विदेशी पर्यटकों को दंग करने के साथ ही उनमें उमंग का संचार भी कर गई। अबीर-गुलाल संग चिता भस्म एकाकार हुई और होली के गीत गूंज उठे। आम भक्तों पर चिता भस्म फेंककर महादेव का जयघोष किया गया। इस दौरान घाटों पर अद्भुत नजारा दिका। श्मशान पर अंतिम संस्कार के लिए शवों को लेकर गमगीन लोग भी घाट पर पहुंचते रहे। कहीं चिताएं लगती रहीं तो कहीं मुखाग्नि दी जाती रही। इसके बीच बाबा के गणों के रूप में गंजी, गमछा लपेटे युवाओं की होली तमाम विदेशी पर्यटकों के लिए भी यादगार बनी। लोग उन क्षणों को कैमरे में कैद करने के लिए आसपास की छतों, मुंडेरों पर जमे रहे। इसमें घुलते अबीर-गुलाल ने राग विराग को एकाकार करते हुए जीवन दर्शन के रंग को चटख किया। परंपरा के अनुसार पहले शिव के ही अंश माने जाने वाले बाबा मसाननाथ को भस्म और अबीर चढ़ाकर भक्तों ने एक दूसरे को भस्म लगाया। वैसे भी काशी मोक्ष की नगरी मानी जाती है। मान्यता है कि यहां शरीर छोड़ते वक्त इंसान के कानों में खुद भगवान शंकर उसे तारक मंत्र सुनाते हैं। जिससे वो जन्म मरण के चक्र से छुटकारा पा जाता है। और इसकी खुशी भी शव ले जाते वक्त रास्ते में नाचते गाते परिजनों और नगाड़ों के ढोल में देखी और सुनी जा सकती है। मौत पर इस नाच को देख आप चैंक भी सकते हैं। पर काशी के फक्कड़पन में इस तरह की मस्ती आम बात है। मान्यता है कि रंगभरी एकादशी एकादशी के दिन माता पार्वती का गौना कराने बाद देवगण एवं भक्तों के साथ बाबा होली खेलते हैं। लेकिन भूत-प्रेत, पिशाच आदि जीव-जंतु उनके साथ नहीं खेल पाते हैं। इसीलिए अगले दिन बाबा मणिकर्णिका तीर्थ पर स्नान करने आते हैं और अपने गणों के साथ चीता भस्म से होली खेलते हैं। नेग में काशीवासियों को होली और हुड़दंग की अनुमति दे जाते हैं। यह अति प्राचीन परम्परा आज तक चली आ रही है। यही वजह है कि यहां होली की छटा देखते ही बनती है। काशी का यह भाव भौगोलिक नहीं ऐतिहासिक है। बाबा काशीवासियों के लिए अनंत है, इसीलिए अनादि भी है। कहते है महाश्मशान ही वो स्थान है, जहां कई वर्षों की तपस्या के बाद महादेव ने भगवान विष्णु को संसार के संचालन का वरदान दिया था। काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिव ने मोक्ष प्रदान करने की प्रतिज्ञा ली थी। काशी दुनिया की एक मात्र ऐसी नगरी है जहां मनुष्य की मृत्यु को भी मंगल माना जाता है। मृत्यु को लोग उत्सव की तरह मनाते है। मय्यत को ढोल नगाडो के साथ श्मशान तक पहुंचाते है। कहते है साल में एक बार होलिका दहन होता है, लेकिन महाकाल स्वरूप भगवान भोलेनाथ की रोज होली होती है। काशी के मणिकर्णिका घाट सहित प्रत्येक श्मशान घाट पर होने वाला नरमेध यज्ञ रूप होलिका दहन ही उनका अप्रतिम विलास है।

युवा इंटरफेस बैठक में राज्य स्तरीय युवा मंच की मांग

पटना (उत्तरशक्ति)। बाल रक्षा भारत द्वारा 'कोई भी युवा पीछे न छूटे' विषय पर आयोजित युवा इंटरफेस बैठक में राज्य स्तरीय युवा मंच की मांग को जोरदार समर्थन मिला। लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने इस मांग से सहमति व्यक्त करते हुए इस दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य हैं। बिहार की कुल जनसंख्या में 58 प्रतिशत युवा आबादी है, जो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने युवा नेतृत्व को आजीविका से संबंधित कार्यक्रमों से जुड़ने और नीतिगत कठिनाइयों को सरकार तक पहुँचाने की अपील की ताकि आवश्यक सुधार किए जा सकें। विधायक ज्योति मांझी ने भी युवाओं से अपनी समस्याओं को अपने पंचायत / वार्ड प्रतिनिधि या विधायक के साथ साझा करने का आग्रह किया, जिससे समाधान निकाला जा सके। बाल रक्षा भारत के प्रतिनिधि प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा कि बिहार की 58 प्रतिशत जनसंख्या युवाओं की है, इसलिए नेतृत्व भी उनके हाथों में होना चाहिए। उन्होंने युवा नेताओं के लिए मार्गदर्शन और मॉनिटरिंग की आवश्यकता पर बल दिया। इग्नू, पटना के प्रोफेसर विवेक कुमार सिन्हा ने राज्य के हर प्रखंड में कौशल केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया ताकि दूर-दराज के इलाकों के युवाओं को भी अवसर मिल सके। यूएनएफपीए के प्रतिनिधि अब्दुल जब्बार ने युवाओं से अपनी चुनौतियों को पहचानने और उन पर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यूनिसेफ की बाल संरक्षण अधिकारी गार्गी शाह ने कहा कि खेती युवाओं के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत हो सकता है और इसे एक बेहतर रोजगार विकल्प के रूप में अपनाया जा सकता है। उन्होंने खेती के प्रति मानसिकता बदलने पर जोर दिया। सेंटर फॉर कैटेलाइजिंग चेंज के कमलेश कुमार ने कहा कि लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए लड़कों के साथ मिलकर काम करना जरूरी है। एक्शन एड की शरद कुमारी ने कहा कि सरकार युवाओं की आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है, लेकिन कई युवाओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने युवाओं से अनुरोध किया कि वे इन कठिनाइयों की पहचान कर नीति निमार्ताओं को सूचित करें ताकि अन्य युवा इनका लाभ प्राप्त कर सकें। इस बैठक में राज्य स्तरीय युवा मंच की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया गया ताकि युवाओं से संबंधित मुद्दों को प्रभावी रूप से हल किया जा सके और बिहार के समग्र विकास में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। चर्चा में युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आवश्यक कौशल एवं अवसर प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

प्राइमरी स्कूल के शिक्षक ने फंदे से लटक कर दी जान

कानपुर (उत्तरशक्ति)। गुजैनी थानाक्षेत्र के जरौली फेज-2 निवासी प्राइमरी स्कूल के शिक्षक का शव मंगलवार सुबह मकान की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में रस्सी के सहारे लटकता मिला। पड़ोसियों की सूचना पर फॉरेंसिक टीम संग मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजन आत्महत्या की वजह नहीं बता सके। मूलरूप से चौबेपुर के मालों के ग्राम बजरहा पुरवा निवासी राजवीर कुरील (40) गुजैनी के जरौली फेज-2 में रहते थे। वह कानपुर देहात के मैथा में प्राइमरी स्कूल में शिक्षक पद पर तैनात थे। बड़े भाई जयदीप ने बताया कि तीन भाईयों में राजवीर दूसरे नंबर पर था जबकि सुनील सबसे छोटा है। उनकी पत्नी उर्वशी बड़ा चौराहा पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में कैशियर हैं। परिवार में 9 वर्षीय आर्यन व 9 माह की बेटी वैष्णवी है। राजवीर रोज की तरह सोमवार को भी स्कूल गए थे। देर शाम वापस लौटने के बाद परिवार के साथ खाना खाकर सोने चले गए। मंगलवार सुबह जब वह कमरे में नहीं मिले तो पत्नी उन्हें आवाज देकर ढूंढने लगीं। कॉल किया तो मोबाइल कमरे में रखा मिला। उर्वशी उसे तलाशते हुए जब मकान के तीसरी मंजिल पर बने कमरे में पहुंची तो राजवीर का शव पंखे के कुंडे में रस्सी के सहारे लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। गुजैनी थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि परिजन आत्महत्या की वजह नहीं बता सके हैं। मौके पर जांच में कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। न ही परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। जयदीप के अनुसार राजवीर ने कभी किसी प्रकार की समस्या नहीं बताई। अभी दो दिन पहले ही वैष्णवी का मुंडन हुआ था।

38 दिन के बच्चे के अपहरण को वनराई पुलिस ने 6 दिनों के अथक प्रयत्न से किया सॉल्व

इस अपहरण में 4 आरोपी को गिरफ्तार किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के गोरेगांव पूर्व वनराई पुलिस स्टेशन की हद में हाईवे पर बस डिपो के पास 2 मार्च के रात को एक 38 दिन के बच्चे का अपहरण हो गया था। जिसकी जानकारी मिलने के बाद वनराई पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मामले की जांच में पता चला कि 38 दिन के बच्चे को बेचने के इरादे से अपहरण किया गया है। वनराई पुलिस ने कई टीम बनाकर अलग-अलग तरीकों से जांच शुरू की। पुलिस ने तांत्रिक विश्लेषण, सीसीटीवी और सूत्रों की मदद से करीब 11000 रिक्शो की जांच में एक आरोपी पिले रंग का जैकेट पहने रिक्शा से जाता दिखाई दिया। 1लाख मोबाइल नंबरों की जांच में आरोपी के मालवणी में होने की जानकारी मिली। वनराई पुलिस ने मालवणी में जाल बिछाकर पिले रंग के जैकेट वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अधिक जांच में 3 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पास से 38 दिन के बच्चे को सही सलामत बरामद कर लिया गया। इन आरोपियों का मुख्य उद्देश्य 38 दिन के बच्चे को बेचना था।

गिरफ्तार आरोपियों का नाम मोहम्मद आसिफ मोहम्मद उमर खान (42), फातिमा जिलानी शेख (33), राजू भानुदास मोरे (47) और मंगल राजू मोरे (35) है। यह सभी मालवणी के रहने वाले हैं। आरोपी मोहम्मद आसिफ मोहम्मद उमर खान (42) ने 5 लाख में बच्चा खरीदने की बात फातिमा जिलानी शेख कही। जिसके बाद फातिमा जिलानी शेख ने अपने रिक्शा ड्राइवर पति राजू भानुदास मोरे से बच्चा चुराने को कहा। जिसके बाद आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया गया। वनराई पुलिस के 6 दिन के अथक प्रयासों के बाद 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

राजेश सिंह भाजपा में शामिल

मिरा भाईदर। महाराष्ट्र प्रदेश संघटक व मिरा भाईदर जिला सचिव (शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गट) राजेश सिंह ने भारतीय जनता पार्टी मेंप्रवेश किया। यह प्रवेश भाजपा जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व उपमहापौर हसमुख गहलोत, मंडल अध्यक्ष संजय वोरा और लक्ष्मण जंगम भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। राजेश सिंह के भाजपा में शामिल होने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और स्थानीय स्तर पर पार्टी की ताकत और अधिक सशक्त होगी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विश्वास जताया कि यह कदम भाजपा के विस्तार और मजबूती में सहायक होगा।

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन विकास मंडल की 60 वर्ष पूर्ण पर समारोह का आयोजन

बोरीवली। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन विकास मंडल के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिती दर्ज कराई और समाज के नागरिकों को संबोधित किया। पैराडाइज हॉल, दौलत नगर बोरीवली (पूर्व) में हुए इस समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ मयूर ओवरसियर, राजेश भट्ट, अशोक शाह तथा अमर शाह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जय श्री कृष्ण सेवा संघ द्वारा भांडुप में श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन

मुंबई। जय श्री कृष्ण सेवा संघ द्वारा भांडुप में श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 16 मार्च से 24 मार्च 2025 तक बैनगपाडा (अयोध्या पुरी). बी. पी. ई. एस. हाईस्कूल,प्रताप नगर रोड,भांडुप प.पर किया गया है। आयोजक धर्मदेव यादव (अध्यक्ष) एवं ए.के.पांडेय (कोषाध्यक्ष) ने बतलाया है कि इस सप्ताह में आचार्य पं.शरणागत महाराज,चित्रकूट धाम (जगत गुरु श्री रामभद्राचार्य जी के कृपापात्र) प्रवचन करेंगें। इस सप्ताह के दौरान कलशयात्रा, हवन,यज्ञ, माताजी की दिव्य चौकी,महाप्रसाद,भंडारा का आयोजन किया जायेगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से इस ज्ञान सप्ताह में उपस्थित होकर ज्ञान एवं प्रसाद पाने का अनुरोध किया है।

खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के छह आतंकियों को उम्रकैद

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाते थे हथियार और नशा

मोहाली। पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से पंजाब में हथियार व नशा मंगवाने के मामले में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के छह आतंकियों को उम्रकैद व तीन दोषियों को 10-10 वर्ष की सजा सुनाई गई।3

मोहाली की एक विशेष एनआईए अदालत में अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी कि इन दोषियों के संबंध जर्मनी स्थित गुरमीत सिंह उर्फ बग्गा तथा पाकिस्तान स्थित रंजीत सिंह उर्फ नीटा जैसे नामित आतंकियों से हैं। इस जानकारी के आधार पर अदालत ने इन दोषियों को यह कठोर सजा सुनाई। 2019 में ड्रोन से विस्फोटक व हथियारों की तस्करी करने के दोष में आकाशदीप सिंह उर्फ आकाश संधू, बलवंत सिंह, हरभजन सिंह, बलबीर सिंह बिंदा, मानसिंह व गुरदेव सिंह को आजीवन कारावास तथा शुभदीप सिंह, साजनप्रीत सिंह व रोमनदीप सिंह उर्फ रोमन को 10-10 वर्ष की सजा सुनाई गई।

एनआईए ने मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 120बी, 121, 121ए, 122, 489बी, 489सी, 379, शस्त्र अधिनियम की धारा 13, 16, 17, 18, 18ए, 23, 38, 25(1), 25(3), 25(4), 27(2) व विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा चार व पांच में मामला दर्ज किया था।

22 सितंबर 2019 को काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर के इंस्पेक्टर इंद्रदीप सिंह को सूचना मिली थी कि गुरमीत सिंह उर्फ बागा उर्फ डाक्टर निवासी झज, जिला होशियारपुर खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के सदस्य रणजीत सिंह उर्फ नीटा और मान सिंह के संपर्क में है। सभी दोषी इंटरनेट मीडिया व मोबाइल फोन के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।

पंजाब व भारत में आतंकवादी गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने की योजना बना रहे थे। एनआईए ने अक्टूबर 2019 में अमृतसर पुलिस से इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी।

आतंकी गतिविधियों तथा हथियारों व गोला-बारूद की तस्करी के लिए युवाओं को भर्ती करके खालिस्तानी आंदोलन पुनर्जीवित करने व आतंकी घटनाओं के लिए विदेश से मंगवा रहे थे पैसा। आकाश व मान सिंह अमृतसर जेल में बंद थे। मान सिंह ने आकाशदीप सिंह को प्रभावित किया। बाहर आकर आकाशदीप पाक से नीटा के ड्रोन से भेजे हथियार व जाली करंसी संभालने लगा।

पत्नी के अनुरोध पर पति के कंपनी खाते को फ्रीज नहीं कर सकते बैंक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि वैवाहिक विवाद के चलते पत्नी के अनुरोध मात्र पर ही उसके पति की कंपनी का खाता बैंक फ्रीज नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने यह टिप्पणी कोटक महिंद्रा बैंक शाखा द्वारा कंपनी में निदेशक याची के खाते को एकतरफा फ्रीज किए जाने का मामला निस्तारित करते हुए की। साथ ही कोर्ट ने खाता सीज करने संबंधी बैंक के आदेश को रद करते हुए याची राजीव कुमार अरोड़ा को गाजियाबाद स्थित बैंक शाखा में खाते का संचालन करने देने का निर्देश दिया है।

एएससीआई मुंबई में करेगी आईसीएएस ग्लोबल समिट का ऐतिहासिक आयोजन

मुंबई। एडवर्टाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) 17 से 19 मार्च, 2025 तक मुंबई में इंटरनेशनल काउंसिल फॉर एडवर्टाइजिंग सेल्फ-रेगुलेशन (आईसीएएस) ग्लोबल समिट- आईसीएएस ग्लोबल डायलॉग्स 2025 का आयोजन करेगी। यह पहली बार है जब यह समिट यूरोप और अमेरिका के बाहर आयोजित हो रही है, जो वैश्विक विज्ञापन चर्चाओं में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। इस आमंत्रण-आधारित आयोजन में 16 देशों के स्व-नियामक निकायों के प्रमुखों, अंतरराष्ट्रीय विज्ञापन संगठनों, नियामकों और भारतीय उद्योग जगत के नेताओं की उपस्थिति रहेगी। यह समिट जिम्मेदार विज्ञापन और विकसित होते मानकों को लेकर वैश्विक विमर्श को आकार देने में एएससीआई की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। तीन दिन की समिट में स्व-विनियमन को लेकर दुनियाभर में एडवर्टाइजिंग से जुड़े मुद्दों पर सत्रों के अलावा निम्नलिखित गतिविधियां होंगी: आईसीएएस ग्लोबल सेल्फ-रेगुलेशन अवार्ड्स (17 मार्च) इस दुनिया भर के स्व-नियामक संगठनों की सबसे रचनात्मक, प्रभावशाली और अभिनव पहलों को सम्मानित किया जाएगा।

वाराणसी के बीएचयू में दो दिवसीय राज्य स्तरीय जीपा कन्वेंशन, एचआईवी जागरुकता पर दिया जोर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और नैको के संयुक्त तत्वावधान में बीएचयू के वैदिक विज्ञान केंद्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय रजीपा कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एस.एन. संखवार ने किया। इसमें एचआईवी को लेकर जागरूक किया गया। उद्घाटन भाषण में प्रो. संखवार ने कहा कि एचआईवी/एड्स जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य हो रहे हैं और इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं। ग्रामीण स्तर पर जागरूकता में वृद्धि हुई है, लेकिन अभी भी अधिक प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान द्वारा संचालित एचआईवी जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाराणसी के उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन ग्रामीण स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है और एचआईवी एड्स नियंत्रण में स्वयंसेवी संगठनों और युवाओं की भूमिका अहम है। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के संयुक्त निदेशक डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने राज्य सरकार द्वारा संचालित एड्स जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। वहीं, अपनेआप प्लस की अध्यक्षा सुश्री अजीता यादव ने एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों के लिए नैको द्वारा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। सर सुंदरलाल अस्पताल ब्लड बैंक के डॉ. आशुतोष सिंह ने कहा कि निरंतर रक्तदान से एचआईवी संक्रमण को रोका जा सकता है और थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की जान बचाई जा सकती है। बीएचयू के ब्लड सेंटर से नैट टेस्टेड ब्लड मरीजों को उपलब्ध कराया जाता है। सम्मेलन के दौरान स्वैच्छिक रक्तदान, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, एचआईवी पॉजिटिव समुदाय की चुनौतियां, आत्मनिर्भर युवा, और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं जैसे विषयों पर चर्चा की गई। राज्य स्तरीय जीपा कन्वेंशन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राज्यमंत्री ने सांस्कृतिक संध्या का किया शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति) शाही किला में आयोजित जौनपुर महोत्सव के दूसरे दिन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव,विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्रा, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र, जिला स्तरीय अधिकारीगण सहित अन्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों द्वारा मनमोहक, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया साथ ही विवेक वरदान, आशीष माली, सहित स्थानीय कलाकारों सोनम सरोज, नरेंद्र बहादुर, संतोष खरवार, अब्दुल रशीद सहित अन्य द्वारा लोकगीत, नृत्य आदि की प्रस्तुति कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव के अंतिम दिन 12 मार्च 2025 को माननीय मुख्यमंत्री जी का जनपद आगमन प्रस्तावित है जिसमें जौनपुर महोत्सव के अंतर्गत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 1001 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वचन दिया जाएगा तथा जनपद के विकास से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया जाएगा। जौनपुर महोत्सव के अंतिम दिन कवि सम्मेलन का भी आयोजन होगा।

खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के छह आतंकियों को उम्रकैद

मोहाली। पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से पंजाब में हथियार व नशा मंगवाने के मामले में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के छह आतंकियों को उम्रकैद व तीन दोषियों को 10-10 वर्ष की सजा सुनाई गई। मोहाली की एक विशेष एनआईए अदालत में अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी कि इन दोषियों के संबंध जर्मनी स्थित गुरमीत सिंह उर्फ बग्गा तथा पाकिस्तान स्थित रंजीत सिंह उर्फ नीटा जैसे नामित आतंकियों से हैं। इस जानकारी के आधार पर अदालत ने इन दोषियों को यह कठोर सजा सुनाई।2019 में ड्रोन से विस्फोटक व हथियारों की तस्करी करने के दोष में आकाशदीप सिंह उर्फ आकाश संधू, बलवंत सिंह, हरभजन सिंह, बलबीर सिंह बिंदा, मानसिंह व गुरदेव सिंह को आजीवन कारावास तथा शुभदीप सिंह, साजनप्रीत सिंह व रोमनदीप सिंह उर्फ रोमन को 10-10 वर्ष की सजा सुनाई गई।

दक्षिण मध्य मुंबई भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शिरोडकर का जन्मदिन माटुंगा में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संजय मिश्रा, लोरिक यादव, संदीप आदि लोग मौजूद रहे। लोगों उन्हे पुष्प गुच्छ देकर जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

बजट सत्र 2025 में विधानसभा में स्नेहा दुबे ने उठाए मुद्दे

वसई। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विधानसभा के बजट सत्र में बोला कि पालघर जिला एक आदिवासी बहुल जिला है, जहां हजारों आदिवासी मजदूर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत दैनिक मजदूरी पर काम कर रहे हैं। लेकिन, पिछले 5-6 माह से रोजगार गारंटी वेतन का लगभग 45 करोड़ रुपये बकाया है। खासकर जव्हार, वाडा और विक्रमगढ़ तालुकों में रोजगार गारंटी योजना पर निर्भर हजारों मजदूरों ने बकाया मजदूरी के लिए सरकार के सामने आवाज उठाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सरकार पर बकाया 5 करोड़ रुपये की वजह से इन मेहनतकश मजदूरों को बड़े आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सदन में जोरदार तरीके से मुद्दा उठाया गया। मांग की गई कि सरकार तत्काल कदम उठाए ताकि श्रमिकों को उनके हक का पैसा समय पर मिल सके।

फव्वारों में दूषित पानी, उप अभियाता पर कारवाई करें: महेश सरवणकर

वसई। वसई-विरार शहर महापालिका में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत निर्मित एक फव्वारे में शैवाल गंदगी फैल गई है। इससे फव्वारे का पानी दूषित हो गया है और बीमारी फैलने की आशंका है। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर ने उप-अभियंता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जो फव्वारों के माध्यम से वसई-विरार शहर में हवा की गुणवत्ता में सुधार करने के एनसीएपी के उद्देश्य की अवहेलना कर रहे हैं। वसई-विरार शहर में हवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए वसई-विरार नगर निगम ने केंद्र सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत नगर निगम के निर्माण विभाग के माध्यम से शहर के विभिन्न स्थानों पर फव्वारे लगाने का काम किया है। जबकि ठेकेदार को ऐसे फव्वारे लगाने की आवश्यकता है जो उक्त फव्वारों से आर्द्र जल वाष्प उत्पन्न करते हैं, कुछ स्थानों पर स्प्रिंकलर फव्वारे लगाए गए हैं। कुछ फव्वारे बंद हैं। चूंकि कुछ फव्वारों का पानी कई दिनों से नहीं बदला गया है, इसलिए उक्त पानी में शैवाल बन गए हैं और पानी दूषित हो गया है। इसलिए इलाके में बीमारी फैलने की आशंका है।

वसई-विरार महापालिका प्रभाग समिति 'डी' अचोले प्रभाग के अंतर्गत वसंतनगरी मैदान के पास का फव्वारा बंद है और कई दिनों से उक्त फव्वारे का पानी नहीं बदले जाने से उसमें काई जम गई है। इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं देते हैं प्रभाग समिति 'डी' के उप अभियंता मनपा अधिकारी होने के नाते शहर में वायु गुणवत्ता सुधारने को लेकर गंभीर नहीं हैं। महेश सरवणकर द्वारा दिए गए पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के उद्देश्य की अवहेलना करने वाले उप अभियंता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, और उनका रिकॉर्ड उनकी सेवा पुस्तिका में दर्ज किया जाए, उनके स्थान पर किसी सक्षम इंजीनियर का चयन किया जाए।

महाराष्ट्र राज्य को आगे ले जाने वाला बजट: राजन नाइक

नालासोपारा। नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजन नाइक ने कहा कि सरकार ने बजट पेश किया है जो महाराष्ट्र के आम लोगों के समर्थन से महाराष्ट्र राज्य को आगे ले जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह बजट इस दृष्टि से तैयार किया गया है कि 'महाराष्ट्र अब नहीं रुकेगा, विकास में अब देरी नहीं होगी।' प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा. देवेन्द्रजी फड़नवीस ने दावोस जाकर विश्व उद्योग सम्मेलन में महाराष्ट्र की अनूठी छाप छोड़ी और महाराष्ट्र के लिए 1.5 लाख करोड़ का रिकॉर्ड निवेश लाने के लिए मुख्यमंत्री को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री ने 100 दिवसीय विकास योजना तैयार कर तीव्र विकास की अनूठी अवधारणा स्थापित की है। उन्होंने 24 लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए सरकार को विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र के समग्र विकास के लिए उपाय करने के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसमें उन्होंने विरार-बोइसर में एक अंतरराष्ट्रीय मानक 'ग्रोथ हब' बनाने की घोषणा के लिए सरकार को धन्यवाद दिया और सरकार से वसई-विरार क्षेत्र के श्रमिक वर्ग को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए नगर निगम क्षेत्र में लगभग 1500 एकड़ सरकारी भूमि पर बीकेसी की तर्ज पर एक विकास केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया। इसी प्रकार उन्होंने मांग की कि परियोजना से उत्पन्न नौकरियों में स्थानीय भूमिपुत्रों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायें। उन्होंने मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग से वसई, नालासोपारा और विरार को जोड़ने वाले 5 प्रमुख सड़कों के कंक्रीटीकरण की भी मांग की। उन्होंने मांग की कि सरकार भयंदर-नायगांव के बीच वसई खाड़ी पर प्रस्तावित मेट्रो लाइन -13 को मंजूरी दे और राज्य में बनने वाली प्रस्तावित मेट्रो परियोजना के लिए धन प्रदान करे। अपने भाषण को समाप्त करते हुए उन्होंने सरकार को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि यह सरकार राज्य के 13 करोड़ लोगों की इच्छाओं और आकांक्षाओं को पूरा करेगी।